दैनिक
भारत देश हमारा
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी www.Bharatdeshhamara.com DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA
रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 41 अंक 134 पटियाला शुक्रवार 16 मई 2025 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

तमिलनाडु में फैक्ट्री के सीवेज टैंक में विस्फोट, 20 लोग घायल

कुड्डालोर, 15 मई (निस) तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले के कुडीकाडु इलाके में एक फैक्ट्री में सीवेज टैंक फटने से कम से कम 20 लोग घायल हो गए। टैंक से पानी लीक होकर आस-पास के घरों में घुस गया, जिससे गांव में आवासीय ढाँचे क्षतिग्रस्त हो गए। विस्फोट से फैक्ट्री परिसर को भारी नुकसान पहुंचा है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या

आगरा 15 मई (निस) एक शख्स की मार-मारकर हत्या से हड़कंप मच हुआ है। यहां पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और लाश को खेत में फेंक दिया। यह वारदात थाना शमशाबाद इलाके की है। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया है।

सुरक्षा बलों के साथ मुकाबले में त्राल में तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर 15 मई (निस) जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा में गुरुवार को सुरक्षाबलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ हो गई। त्राल के नादेर इलाके में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादी को मार गिराया है। कश्मीर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने तीनों आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि की है। शव मुठभेड़ स्थल पर पड़े हुए हैं। मारे गए आतंकियों के नाम आसिफ शेख, आमिर नजीर और यावर बताए जा रहे हैं। हालांकि, अभी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मारे गए आतंकियों की पहचान की जा रही है।

तीन आतंकी ढेर, मुठभेड़ जारी-आईजीपी विधि कुमार बिरदी ने कहा कि सुरक्षाबलों को त्राल में आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में विशेष जानकारी मिली थी। इसके अनुसार, घेराबंदी की गई और इसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान जवानों ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के लिए बड़ा कदम है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों पर कड़ा प्रहार किया है। घटना स्थल पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान जारी है।

बेटा सरेंडर कर दे, मां की गुहार के बावजूद आतंकवादी ने सेना पर चलाई गोली

जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा इलाके के त्राल में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच बुधवार शाम भीषण मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बल इलाके में बाकी आतंकवादियों की तलाश कर रहे हैं, वहीं फायरिंग की आवाजें भी अब तक सुनाई दे रही हैं। इस मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों में से एक आमिर वानी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने कई लोगों के दिल को झकझोर दिया है। मां से शेष अंतिम पृष्ठ पर

मणिपुर में 10 उग्रवादी ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल 15 मई (निस) चांदेल जिले के खेंगजॉय इलाके में भारत-म्यांमार बॉर्डर के पास भारतीय सेना के असम राइफल्स के जवानों ने 10 उग्रवादियों को ढेर कर दिया इंडियन आर्मी ने एक्स पर बताया कि, मणिपुर के चांदेल जिले के खेंगजॉय तहसील के न्यू समतल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधियों का पता चला था। भारत-म्यांमार सीमा के पास सशस्त्र कैडरों यानी उग्रवादियों की गतिविधियों की खुफिया जानकारी पर एक्शन लिया गया। स्पीयर कॉर्प्स के तहत असम राइफल्स यूनिट ने 14 मई 2025 को एक अभियान शुरू किया जैसे ही सेना के जवानों ने ऑपरेशन शुरू किया, उग्रवादियों ने उन पर गोलियां चलाई। इसके बाद बारी मुंहतोड़ जवाब देने की थी। आधी रात को असम राइफल्स के जवानों ने तुरंत एक्शन लिया और एनकाउंटर में 10 उग्रवादियों को मार गिराया। इस दौरान उग्रवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। भारतीय सेना का पूर्वी सीमा पर यह एक्शन ऐसे वक्त में हुआ है, जब भारत-पाक सीमा यानी एलओसी पर तनाव है।

सिर्फ आतंक एवं पीओके पर होगी बातचीत, तीसरे पक्ष की जरुरत नहीं-एस.जयशंकर

ट्रम्प का यूटर्न, कहा-मैंने जंग नहीं रुकवाई, भारत-पाक मध्य तनाव पर चिंता

नई दिल्ली 15 मई (निस) भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पाकिस्तान से बातचीत केवल आतंकवाद और कश्मीर पर होगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। द्विपक्षीय संबंधों में कोई बदलाव नहीं-दिल्ली में हॉइसुरा दूतावास के उद्घाटन के दौरान जयशंकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमारे दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं आया है। वर्षों से, यह एक समझौता रहा है कि हमारे संबंध और व्यवहार पूरी तरह से द्विपक्षीय होंगे। आतंकवाद पर ठोस कार्रवाई जरूरी-जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी के रुख को दोहराते हुए कहा, पाकिस्तान को आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। हम आतंकवाद पर चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर पर चर्चा का एकमात्र मुद्दा पाकिस्तान के पीओके में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली कराना है। सिंधु जल समझौता स्थगित-विदेश मंत्री ने सिंधु जल समझौते पर भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, सिंधु जल संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार से आतंकवाद को नहीं रोकता।

अंतर्राष्ट्रीय समर्थन भारत के साथ-जयशंकर ने कहा कि पक्ष रखें। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में भारत को अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिला है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का जिक्र करते हुए कहा कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्हें जवाबदेह ठहराया गया। **मैंने जंग नहीं रुकवाई, भारत-पाकिस्तान सीजफायर वाले बयान पर ट्रंप का यू-टर्न**-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को भारत-पाकिस्तान सीजफायर पर अपने बयान से पलट गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता नहीं कराई। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच तनाव का समाधान निकालने में मदद की थी। कतर दौरे पर पहुंचे ट्रंप ने अल-उदीद एयर बेस पर अमेरिकी सैन्य कर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैंने ये नहीं कहना चाहता कि मैंने ऐसा शेष अंतिम पृष्ठ पर

किसी भी देश से संबंध रखने या न रखने का फैसला सरकार लेती है, विपक्ष नहीं-भाजपा

नई दिल्ली, 15 मई (निस) कांग्रेस नेताओं पवन खेड़ा और जयराम रमेश ने बीजेपी नेता अमित मालवीय पर निशाना साधा और पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तान का समर्थन करने वाले देशों के साथ अपने कूटनीतिक और व्यापारिक संबंधों के बारे में सत्तारूढ़ पार्टी के स्पष्टीकरण पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं की यह प्रतिक्रिया तब आई जब बीजेपी नेता अमित मालवीय ने रमेश और खेड़ा दोनों का एक वीडियो पोस्ट किया और पार्टी पर पहलगाम में आतंकी हमले के बाद जनता की भावनाओं से अलग और गलत होने का आरोप लगाया। बता दें एक्स पर एक पोस्ट में मालवीय ने लिखा था- देश तुर्की और अजरबैजान द्वारा आतंकी देश पाकिस्तान को दिए गए समर्थन से क्रोधित है। इन देशों के साथ व्यापार और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग बढ़ रही है, और निजी नागरिक एकजुटता में खड़े हो गए हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी खुद को भारतीय लोगों की व्यापक भावना से साथ भी नहीं जोड़ पा रही है। कोई

आश्चर्य नहीं कि यह जनता से इतनी कटी हुई है। यह अपनी राजनीतिक गुमनामी और पूर्ण अलगाव की हकदार है। मालवीय पर पलटवार करते हुए पवन खेड़ा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा, चूंकि यह सवाल बीजेपी के एक पदाधिकारी द्वारा उठाया जा रहा है, इसलिए पीएमओ इंडिया और एस जयशंकर को तुरंत स्पष्ट करना चाहिए कि क्या भारत सरकार ने तुर्की के साथ सभी राजनयिक और व्यापारिक संबंध तोड़ दिए हैं और भारत में अपना दूतावास भी बंद कर दिया है। किसी भी देश के साथ संबंध रखने या न रखने का फैसला सरकार को लेना है, विपक्ष को नहीं। विदेश मंत्रालय इंडिया कृपया स्पष्ट करें। वहीं जयराम रमेश ने भी एक्स पर पोस्ट में कहा- इसी तरह, पीएमओ इंडिया और एस जयशंकर को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि मोदी सरकार ने भारतीय क्षेत्र पर चीन के लगातार अतिक्रमण के बावजूद उसके साथ सामान्यीकरण क्यों किया है या वास्तव में पीएम ने भारत के लोगों से झूठ क्यों बोला और 19 जून, 2020 को चीन को उसके अतिक्रमण के लिए सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट देकर राष्ट्रीय हितों को अपूरणीय रूप से चोट पहुंचाई।

मैं पार्टी का प्रवक्ता नहीं, मेरी राय देश हित के लिए-थरूर ने कांग्रेस को दिखाए तेवर

नई दिल्ली, 15 मई (निस) कांग्रेस ने कहा कि पार्टी में सबको अपनी राय रखने की आजादी है, लेकिन लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से जुड़े मुद्दे पर अपने हालिया बयानों से पार्टी की "लक्ष्मण रेखा" लांघ दी है। इस संबंध में थरूर की कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। सूत्रों ने यह भी कहा कि आलाकमान ने नेताओं को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर अपनी व्यक्तिगत राय देने के बजाय पार्टी का पक्ष रखें। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में एक वरिष्ठ नेता ने थरूर का नाम लिए बगैर पार्टी लाइन से इतर बयान देने का विषय उठाया और कहा कि लक्ष्मण रेखा का ध्यान रखा जाना चाहिए। इस बैठक में थरूर भी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और सभी को अपनी राय जाहिर करने की आजादी है, लेकिन थरूर ने इस बार लक्ष्मण रेखा लांघ दी है। उनका कहना है, आलाकमान की तरफ से हिदायत दी गई है कि यह समय व्यक्तिगत राय व्यक्त करने का नहीं, बल्कि पार्टी की राय रखने का है। हालांकि यह हिदायत देते वक्त किसी का नाम नहीं लिया गया। सूत्रों ने बताया कि थरूर ने कार्यसमिति की बैठक में पार्टी लाइन के मुताबिक अपनी बात रखी और कुछ रचनात्मक सुझाव भी दिए। कांग्रेस शेष अंतिम पृष्ठ पर

पटना में हुई जनता दल यूनाइटेड की सलाहकार समिति की बैठक

पटना 15 मई (निस) जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने अपनी राजनीतिक सलाहकार समिति की एकदिवसीय बैठक पटना पार्टी कार्यालय में आयोजित की। बैठक में प्रदेश भर से करीब 314 सदस्य शामिल हुए, जो राज्य के विभिन्न जिलों से पटना पहुंचे थे बैठक में जदयू के कई वरिष्ठ और प्रमुख नेता मौजूद रहे, जिसमें मंत्री श्रवण कुमार, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और राज्यसभा सांसद संजय झा शामिल थे। सभी नेताओं ने बैठक के माध्यम से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा की और आगामी लक्ष्यों को लेकर कार्ययोजना तय की। बैठक में नेताओं ने कांग्रेस और खास कर राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। जेडीयू नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी का बिहार आना और यहां की राजनीति में हस्तक्षेप करना बेअसर है, क्योंकि बिहार की जनता नीतीश कुमार के काम को जानती और समझती है। नेताओं ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व में बिहार ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है और एनडीए के प्रति जनता का विश्वास अटूट है।

बीएसएफ जवान शॉ को मानसिक यातनाएं दी गई

श्रीनगर 15 मई (निस) पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बीएसएफ के जवान पूर्णम कुमार शॉ गलती से इंटरनेशनल बॉर्डर क्रॉस कर पाकिस्तान पहुंच गए थे। करीब बीस दिन बाद पाकिस्तानी रेंजर्स ने भारत को उन्हें सौंपा। अब बीएसएफ जवान शॉ पर पाकिस्तान में हुई बर्बरता की कहानी सामने आई है। शॉ ने पाकिस्तान की कस्टडी में काफी बर्बरता सही। उन्हें ब्रश नहीं करने दिया गया। उन्हें सोने नहीं दिया गया। उन्हें शारीरिक तौर पर प्रताड़ना नहीं दी गई, बल्कि मानसिक तौर पर भी उन्हें यातना दी गई।

उत्तर प्रदेश में दो सड़क हादसों में 11 लोगों की मौत, कई घायल

हरदोई, 15 मई (निस) यूपी के हरदोई में गुरुवार सुबह यात्रियों से भरे ऑटो और डंपर की भीषण टक्कर हो गई जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक कासिमपुर क्षेत्र में एक ऑटो रिक्शा यात्रियों को लेकर जा रहा था। तभी सामने से आ रहे डंपर ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क हादसे का शिकार ऑटो को रास्ते से हटाया। पुलिस मृतकों की शिनाख्त कर रही है। वहीं एक अन्य घटना लखनऊ में हुई यहां दर्दनाक हादसे में पांच यात्रियों की बस में जलकर मौत हो गई।

दिल्ली में फिर बदलेगा मौसम होगी झमाझम बारिश, पंजाब हरियाणा में भीषण गर्मी जारी

नई दिल्ली 15 मई (निस) दिल्ली के मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। यहां 5 दिन झमाझम बारिश के आसार बन रहे हैं। इससे गर्मी और उमस बढ़ेगी, तापमान 42 डिग्री के पार जा सकता है। कुछ सप्ताह पहले पश्चिमी विक्षोभ के चलते जम्मू-कश्मीर में आंधी-तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई थी, जिससे व्यापक पैमाने पर नुकसान हुआ था। अब देश के उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों के अधिकांश इलाकों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, यूपी, बिहार, ओडिशा जैसे प्रदेशों में कई

जगहों पर पारा 40 या फिर उससे भी ऊपर चला गया। इससे हीट-वेव की स्थिति बन गई। वहीं, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। महाराष्ट्र में भी पूरे सप्ताह बारिश होने का पूर्वानुमान है। दूसरी तरफ, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'शक्ति' के सक्रिय होने से ईस्टर्न इंडिया के मौसम में भी आनेवाले दिनों में बदलाव देखा जा सकता है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि इससे प्री-मानसून बारिश का सिलसिला जहां बढ़ेगा, वहीं दक्षिण-पश्चिम मानसून और रफ्तार पकड़ेगा दिल्ली और आसपास के इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन की स्थिति बनी हुई है। अगले कुछ दिनों तक यही स्थिति बने रहने की संभावना है। देश की राजधानी और आसपास शेष अंतिम पृष्ठ पर

वक्फ कानून को लेकर 20 मई को सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 15 मई (निस) सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 20 मई को सुनवाई करेगी ताकि यह तय किया जा सके कि वक्फ संपत्तियों की स्थिति और वक्फ परिषद और बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने से संबंधित कानून के कुछ प्रावधानों पर किसी अंतरिम रोक की जरुरत है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई भूषण आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाओं को अगले मंगलवार के लिए सूचीबद्ध किया है क्योंकि उन्होंने पहली बार इस मामले की सुनवाई की थी, इससे पहले 5 मई को पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी आसन्न सेवानिवृत्ति के कारण सुनवाई को नए सीजेआई पीठ के पास भेज दिया था। पीठ में न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ताओं को दो घंटे तक सुनवाई करेगी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की अगुआई वाली केंद्र सरकार को इस सीमित मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए दो घंटे का समय देगी कि क्या रोक के संबंध में कोई अंतरिम आदेश पारित करने की जरुरत है।

दलित, पिछड़ों एवं आदिवासियों पर अत्याचार नहीं रुक रहे, मुझे यहां आने से रोका भी गया-राहुल गांधी

दरभंगा, 15 मई (निस) लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी एक दिवसीय बिहार यात्रा के दौरान गुरुवार को दरभंगा पहुंचे। दरभंगा पहुंचने पर राहुल गांधी ने शिक्षा न्याय संवाद में जुटे छात्रों को संबोधित कर आरोप लगाया कि देश में दलित, पिछड़े, अति पिछड़े और आदिवासी के खिलाफ 24 घंटे अत्याचार होते है, उन्हें दबाया जाता है। आपको शिक्षा के सिस्टम में भी आने से रोका जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मोदी सरकार से तीन मांग की हैं। सही तरीके से देशभर में जातीय जनगणना कराए, जैसे की तेलंगाना में की गई है। इसके अलावा, उन्होंने निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण की बात कही। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था हो। दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और आदिवासी की संख्या 90 प्रतिशत है, लेकिन उन्हें दबाकर, डाराकर रोका जाता है। राहुल गांधी ने कहा कि 90 प्रतिशत लोगों के लिए देश में कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने ब्यूरोक्रेसी की बात कर कहा कि उसमें इनकी संख्या शून्य है। उन्होंने लोगों से एक साथ खड़े होने का आह्वान कर कहा कि हमारी जातीय जनगणना और निजी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था की मांग को पूरा करना है। राहुल गांधी ने कहा, अभी बिहार पुलिस ने हमें रोकने की कोशिश की, लेकिन नहीं रोक सकी, क्योंकि पीछे आपकी शक्ति मेरे पीछे है। इसलिए उन्हें कोई नहीं रोक सकता, जिसके पीछे आपकी ताकत है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जातीय जनगणना कराने और संविधान को माथे से लगाने की बात कही थी। आपके दबाव से पीएम मोदी ने जातीय जनगणना कराने की घोषणा की। लेकिन भाजपा लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है। जातीय जनगणना के खिलाफ है। देश में जो 90 प्रतिशत दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक और आदिवासी हैं, भाजपा उनके खिलाफ है। यह अमीरों की सरकार है। राहुल गांधी ने लोगों को भरोसा देकर कहा, मैं जानता हूं इन छात्रावासों में क्या होता है। गारंटी देता हूं, जैसे ही देश और बिहार में हमारी सरकार आएगी, हम इस स्थिति को बदल देने वाले है।

दरभंगा में छात्रों से संवाद करने जा रहे राहुल गांधी का काफिला रोका, कांग्रेस भड़की

कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को बिहार के दरभंगा पहुंचे। वह यहां छात्रों से संवाद करने वाले थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने राहुल गांधी को दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास में कार्यक्रम में जाने से रोकने की कोशिश की। बुधवार को एआईसीसी के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक अभय दुबे ने आरोप लगाया कि राज्य की सत्तारूढ़ जेडी(यू)-बीजेपी गठबंधन के इशारे पर यह दमनकारी कदम उठाया है। अभय दुबे ने कहा था कि दरभंगा में जिला कल्याण अधिकारी ने हमें पत्र लिखकर सूचित किया है कि वह 15 मई को राहुल गांधी के कार्यक्रम की अनुमति नहीं देंगे। कोई कारण नहीं बताया। ऐसा लगता है कि यह राज्य की सत्तारूढ़ जेडी(यू)-बीजेपी गठबंधन के इशारे पर उठाया गया दमनकारी कदम है। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा कि आज नेता विपक्ष राहुल गांधी बिहार के दरभंगा में होने वाले शिक्षा न्याय संवाद में छात्रों से मिलने वाले थे, लेकिन..बिहार की डबल इंजन सरकार से ये देखा नहीं गया।

तुर्किए एवं अजरबैजान पर टूरिज्म स्ट्राइक, लाखों बुकिंग्स कैंसल हुई

नई दिल्ली 15 मई (निस) भारत-पाकिस्तान के युद्ध में दुश्मन देशों के चेहरे सामने आ गए हैं। युद्ध में तुर्की, अजरबैजान और चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। इसमें सबसे ज्यादा शर्मनाक हरकत तुर्किए ने की। तुर्किए ने अपने ड्रोन से पाकिस्तान की मदद की और भारत के खिलाफ बड़ी साजिश की है। हालांकि, इसके बाद भारतीय सैलानियों और ट्रैवल एजेंसियों ने तुर्किए और अजरबैजान पर टूरिज्म स्ट्राइक कर दी है। इन दोनों देशों में जाकर भारतीय पर्यटक हर साल करोड़ों रुपए लुटाते हैं। बीते साल ही तुर्किए और अजरबैजान को भारतीय सैलानियों ने 4 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए थे। प्रति व्यक्ति के लिहाज से दोनों देशों में भारतीय सैलानियों ने 1 लाख रुपये खर्च किया है। वर्तमान में सोशल मीडिया पर बायकॉट तुर्किए और अजरबैजान टॉप ट्रेंडिंग में चल रहा है। यानी लोगों ने तय किया है कि वे भारत के दुश्मनों का साथ देने वाले देशों में पैसा बर्बाद नहीं करने वाले हैं। ट्रैवल एजेंसियों ने भी तुर्किए और अजरबैजान के लिए बुकिंग बंद कर दी है। इसके अलावा भारत में मौजूद गोवा विलास जैसे होटल्स ने तुर्किए और अजरबैजान के नागरिकों के लिए अपनी बुकिंग बंद कर दी है। इन ट्रैवल एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान का समर्थन करने की वजह से ये फैसला लिया है। ट्रैवल एजेंसियों का कहना है कि भारतीयों का पैसा उस देश पर खर्च नहीं होना चाहिए, जो भारत के खिलाफ है। भारतीय सैलानियों को तुर्किए, अजरबैजान के बजाए भारतीय सैलानियों को ग्रीस, और अर्मेनिया जैसे देशों की सैर करने की सलाह दी गई है और इसके अच्छे ऑफर्स आ रहे हैं। बायकॉट के बाद तुर्किए और अजरबैजान की टूरिज्म इंडस्ट्री पर भारी पड़ने वाला है। दरअसल साल 2024 में 3 लाख 30 हजार से ज्यादा भारतीय, तुर्किए में छुट्टियां मनाने गए थे। जबकि साल 2023 में ये संख्या 2 लाख 74 हजार थी। यानी 1 साल में तुर्किए जाने वाले भारतीय सैलानियों की संख्या में करीब 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं पिछले साल 2 लाख 43 हजार से ज्यादा भारतीय अजरबैजान घूमने गए थे। जबकि 2023 में ये संख्या करीब 1 लाख 20 हजार थी। यानी एक साल में अजरबैजान जाने वाले सैलानियों की संख्या में करीब 108 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई थी।

सम्पादकीय

पहलगाम हमले में टीआरएफ के साथ पाकिस्तानी हाथ

यह तो सभी मानेंगे ही कि किसी को बड़ा अपराधी बनाने में किसी न किसी बड़ व्यक्ति या संगठन का हाथ होता है, ठीक वैसे ही जैसे कि आतंकवार को पालने और पोसने में पाकिस्तान का बहुत बड़ा हाथ सदा से रहा है। इस बात को खुद पाकिस्तान के नेताओं ने समय-समय पर माना है, लेकिन इसका हल निकाल पाने में सभी नाकाम साबित हुए हैं। खासतौर पर तब जबकि पाकिस्तानी आवाम खुद भी इस आतंकवाद से परेशान है, सरकार और सेना मिलकर कोई हल क्यों नहीं निकाल पा रही हैं, बड़ा सवाल है। पाकिस्तान के लिए भी ये आस्तीन के सांप ही साबित होते आए हैं, बावजूद इसके एक सियासी जमात इन्हें पालने और बढ़ाने में अपनी पूरी ताकत झोंकती आई है। इसका खामियाजा पड़ोसी मुल्कों को भी उठाना पड़ता है। इसी के चलते बीते माह 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश ही नहीं दुनियां को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों के इस कायराना हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। शुरुआती जांच में ही इस आतंकी घटना के तार पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रसिस्टेन्स फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़ते दिखे। पहले टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी सीना ठोंक कर ले भी ली थी। जब अंतर्राष्ट्रीय दबाव पड़ा और पाकिस्तान को भारतीय जवाब की सूझ आई तो टीआरएफ ने बयान बदल दिया और जिम्मेदारी लेने से साफ इंकार कर दिया। अब भारत ने इस आतंकी हमले से संबंधित पुख्ता सबूत संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पेश कर दिए हैं, जिससे टीआरएफ और इसके संरक्षक पाकिस्तान की साजिश बेनकाब होती दिखी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय और काउंटर टेररिज्म कमेटी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टोरेट (सीटीईडी) के समक्ष विस्तार से जानकारी पेश की है। भारत का साफ कहना है कि पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ, वह टीआरएफ द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के निर्देश पर किया गया, और इसके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की रणनीति थी। भारतीय अधिकारियों ने यूएन की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम को भी टीआरएफ की गतिविधियों से अवगत कराया और टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने की मांग रखी है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि टीआरएफ का बयान और फिर उससे पलटना पाकिस्तान के दबाव में किया गया ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाक सरकार की छवि को नुकसान न पहुंचे। टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा का ही नया चेहरा है, जिसे एफएटीएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय निगरान एजेंसियों की निगाह से बचाने के लिए एक 'लो-प्रोफाइल' आतंकी ब्रांड के रूप में पेश किया गया है। लेकिन भारत ने इन दो संगठनों की कड़ी साठगांठ के सबूत यूएन के सामने रखे हैं। इसी बीच भारत ने यह भी रेखांकित किया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता आवश्यक है। यदि टीआरएफ जैसे आतंकी संगठनों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध सूची में शामिल नहीं किया जाता है तो आतंकवादियों को बल मिलता रहेगा और निर्दोष लोगों की जान यूं ही जाती रहेगी। भारत का यह कदम पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने की दिशा में एक निर्णायक प्रयास है। भारत द्वारा दिए गए डिजिटल, कॉल रिकॉर्ड, फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन और इंटेलिजेंस इनपुट्स के आधार पर माना जा रहा है कि यूएन टीआरएफ को प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो टीआरएफ से जुड़े फंड, हथियार आपूर्ति और सीमा पार नेटवर्क पर करारा प्रहार हो सकेगा। भारत लंबे समय से यह प्रयास कर रहा है कि पाकिस्तान की छद्म युद्ध नीति, जो वह लश्कर और जैश जैसे संगठनों के जरिए चलाता है, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर हो। पहलगाम हमले के बाद भारत की ओर से की गई यह कूटनीतिक कार्रवाई इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट होता है कि अब भारत आतंकी हमलों के प्रति केवल सीमित जवाब देने की नीति से आगे बढ़ चुका है। अब कूटनीतिक, अंतरराष्ट्रीय मंचों और आर्थिक प्रतिबंधों के माध्यम से भारत पाकिस्तान और उसके पाले हुए आतंकी संगठनों को घेरने की रणनीति पर चल रहा है। यदि संयुक्त राष्ट्र टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करता है, तो यह न केवल भारत के लिए एक बड़ी जीत होगी, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ भी साबित होगी।

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे। वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सकूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया। किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

शांति और धैर्य से ही देश हमेशा आगे बढ़ेगा

-संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है बहुत ही अच्छा संदेश राष्ट्र के नाम और कल होकर सैनिकों से मिलना भी भारत के शानदार सफलता का प्रतिक है इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान में फैले आतंकवादी के लिए किया और भारतीय सेनाओं की मेहनत और लोगो की एकजुटता थी इस सन्दर्भ में एल ओसी पर 50निर्दोष लोग भी मारे गए है पाकिस्तान को चाहिए था ऑपरेशन सिंदूर के बाद शांति से बैठना चाहिए क्योंकि ऐ आतंकवादी पर अटैक था पाकिस्तान पर नहीं लेकिन जबाबी कार्यवाही में उसे नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन यह खबर सही नहीं है कि उनके परमाणु सयंत्र पर कोई अटैक हुआ हो ऐ सब न्यूज़ में बेकार की खबरें हैं इसलिए इस मुद्दे पर कुछ भी कहना सही नहीं है क्योंकि जब भी दो देश परमाणु संपन्न रहते हैं तो वो एक से दूसरे देश पर प्रतिस्ठानो की सूची देते हैं और एक एग्रीमेंट होता है कि एक देश दूसरे देश पर परमाणु सयन्त्र पर हमला नहीं करेंगे सोशल मीडिया को इस खबर से बचना चाहिए इसको रोकना चाहिए मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए,क्योंकि जो भी परमाणु सयंत्र होता है वो ऐसा बनाया जाता है कि उसमें भूकंप होने पर भी कोई असर ना हो और जहाँ तक रेडियोएक्टिव रिसाव की बात है वो तो हवा में जायेगा अत: ऐ बाद में आस पास के कहीं भी जगह फैल सकता है इसपर आई ए ई ए की कड़ी निगरानी रहती है और जहाँ परमाणु प्लांट रहता है वहाँ अलार्म सिस्टम भी होता है जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए,सेना पर विश्वास रखना चाहिए धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी धर्मो के लोग भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है भारतवासी अपने मातृभूमि के लिए लड़ना और मरना, अत: संयम और शांति से देश की प्रगति में सभी योगदान दें विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है ऐ आपकी सुरक्षा के लिए जरुरी है लेकिन जब तब कोई देश ने आप पर परमाणु हमला करता तब

एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फ़ैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये नि:शस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में नि:शस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडियेशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु नि:शस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है। इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु नि:शस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है।

आप्रेशन सिन्दूर के उपरांत : शौर्य और शांति से ही देश आगे बढ़ेगा

-संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है लेकिन इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत को अब इसपर भी देना होगा आखिर रूस नुन्ट्रल क्यों रहा उसे आपके साथ खड़ा रहना चाहिए चीन और तुर्की से सभी व्यापार व वहाँ चल रहे प्रोजेक्ट को रोकना चाहिए,मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए अब जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए,सेना पर विश्वास रखना चाहिए उसके प्रवक्ता ने साफ मना किया की कौन से अस्त्र व जेट का इस्तेमाल किया टीवी पर वाद विवाद करने से कोई दूसरा देश इसका फायदा उठा सकता है विवेक से शांति से काम करना ही आज सबसे अच्छा तरीका है क्योंकि वाद विवाद से एक देश दूसरे देश पर प्रहार करते हैं और फिर जो बताना उचित नहीं है उससे जनता मे कहीं खुशी होती है और कहीं रोष भी होता है जो हुआ वह भारत की एकता और सेना के हिम्मत और मेहनत से हुआ आतंकवादी को जड़ से खत्म तभी हो सकता है जब अंतराष्ट्रीय मंच पर सभी देश मे एकजुटता हो अभी भी आतंक से सतर्क रहने की जरुरत है क्योंकि इजराइल भी आतंकवादी से परेशान है और अभी भी खत्म नहीं कर पा रहा है इसका अंत विश्व पटल पर ही कठोर निर्णय से हो सकता है भारत को अभी और रक्षा में मजबूती की जरुरत है क्योंकि एक तरफ चीन उसका साथ देता है और धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी मुस्लिम भाई भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है भारतवासी अपने मातृभूमि के लिए लड़ना और मरना, अत: संयम और शांति से देश की प्रगति में सभी योगदान दें विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस

ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 2साल से अधिक समय से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के वक्तव्य व ताईवान की सीमा पर चीन द्वारा लगातार युद्धाभ्यास से नजर आ रहा है दोनों देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है अत: आज विश्व में परमाणु हमले का खतरा मंडरा रहा है जिसके शिकार निर्दोष जनता को भुगतना पड़ सकता है इसके अलावा जो आस पास के देश होंगे वहां भी एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फ़ैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये नि:शस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में नि:शस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडियेशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु नि:शस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है।

मप्र के सनकी मंत्रियों का इलाज आखिर कौन करेगा

- राकेश अचल

मप्र की भाजपा सरकार में सनकी मंत्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन इनका इलाज कोई नहीं कर पा रहा है। डॉ मोहन यादव सरकार के तमाम मंत्री अपनी ऊटपटांग हरकतों और बयानों से प्रदेश को शर्मशार कर चुके हैं। लेकिन हर बार इन मंत्रियों की हरकत पर पर्दा डाल दिया जाता है। हाल ही में मप्र के जनजातीय मंत्री कुंवर विजय शाह ने आपरेशन सिंदूर की नायिका कर्नल सोफिया कुरैशी को पाकिस्तानी आतंकवादियों की बहन बता दिया और सार्वजनिक मंच से सोफिया को लेकर जो कुछ कहा वो शर्मसार करने वाला है। लेकिन शाह को केवल भाजपा केझसंगठन मंत्री की फटकार के बाद माफी मंगवाकर छोड दिया गया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे की दावते वलीमा में शामिल होने आए राज्यमंत्री नरेंद्र पटेल ने ग्वालियर के एक रेस्टोरेंट में सम्मान न मिलने पर आधीरात को रेस्टोरेंट पर न सिर्फ छापा डलवाया गया बल:कि संचालक को थाने में बैठा दिया गया। जब व्यापारियों ने हंगामा किया तब रेस्टोरेंट संचालक को रिहा किया गया, लेकिन पटेल साहब को कसी ने कुछ नहीं किया। मप्र में ही एक मुंहफट मंत्री हैं विश्वास

सारंग जो खुले आम पुलिस को फर्जी मुठभेड के लिए उकसाते हैं। कुछ ही दिन पहले उन्होंने भोपाल में लव जिहाद के एक आरोपी को पुलिस द्वारा शार्ट एनकाउंटर में पैर में गोली मारे जाने के बाद सारंग ने हा था कि पुलिस को आरोपी के सीने पर गोली दागना चाहिए थी। सारंग लव जिहाद के एक कथित संरक्षक के साथ फोटो को लेकर भी सुर्खियों में रहे लेकिन सारंग का कुछ नहीं बिगडा। कहते हैं एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है किंतु डॉ मोहन यादव के मंत्रिमंडल में तो ऐसी मछलियों की संख्या लगातार बढ रही है। मप्र के ही एक मंत्री एदल सिंह कंषाना पर चंबल में रेत उत्खनन माफिया को संरक्षण देने के आरोप लगे लेकिन मजाल कि कोई कंषाना साहब से सवाल भी कर सके, कार्रवाई तो दूर की बात है। कंषाना केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड भाजपा में शामिल हुए थे। डॉ मोहन मंत्रिमंडल में ऐसे सनकी मंत्रियों की भरमार है। सबकी सनक अलग तरह की होती है। कुछ कैबिनेट मंत्री तो ऐसे हैं जो खुद नाला साफ करने नाले में उतर जाते हैं। बिजली के खंभे पर चढ जाते हैं, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई खुद करने लगते हैं लेकिन मजाल कि वे कभी अपशने विधानसभा क्षेत्र को छोडकर प्रदेश के दौरे पर गये हों। प्रदेश ही उनके पास चलकर आता है। ये मंत्री हैं प्रद्युमन सिंह तोमर। मप्र के अधिकांश मंत्री अपने जिलों तक सीमित रहने वाले मंत्री हैं। ये हैं। मंत्री केवल कैबिनेट की बैठक में शामिल होने भोपाल जाते हैं। सचिवालय में अधिकाँश मंत्री कभी अपने दफ्तर में बैठते ही नहीं हैं। खुद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का पैर भोपाल में नहीं ठहरता। वे खुद सचिवालय में बैठें तो उनका अनुशरण उनके मंत्री करें। मप्र में सनकी मंत्रियों की फेहरिस्त लंबी है। हर मंत्री की अजब, गजब कहानी है। मप्र का मंत्रिमंडल अजूबों से भरा पड़ा है। एक खोजिये तो दस मिल जाएंगे। खुद मुख्यमंत्री जी और उनके एक उप मुख्यमंत्री तलवार वाजी का बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री जी को तो पकौडे तलते देखा जा सकता है। यानि जस दूल्हा तस बनी बराता का मामला है। हरि अनंत, हरि कथा अनंता भी कह सकते हैं। **(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)**

शहीद उधम सिंह राजकीय गर्ल कॉलेज में फर्स्ट ऐड व सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग आयोजित

इन्द्री, 15 मई (बिशपाल राणा) : जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव कुलबीर मलिक ने बताया कि उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस अध्यक्ष उत्तम सिंह के निर्देशानुसार वर्तमान परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए सभी कॉलेजों और स्कूलों में फर्स्ट ऐड व सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग करवाई जानी हे।

इसी कड़ी में गत दिवस जिला रेड क्रॉस एवं भारतीय रिजर्व बटालियन मधुबन के संयुक्त तत्वाधान से शहीद उधम सिंह राजकीय गर्ल कॉलेज इन्द्री के परिसर में फर्स्ट ऐड व सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई, जिसमें कॉलेज के सभी छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। इस मौके पर इंडियन रिजर्व बटालियन से इंस्पेक्टर संजीव ने अपनी टीम के साथ डेमन्स्ट्रेशन के माध्यम से बताया कि कैसे हम किसी भी प्रकार की आपदा में बिना घबराए आमजन की कैसे सहायता कर सकते है व उनकी जान बचा सकते है। इसके साथ ही जिला रेडक्रॉस करनाल से आए फर्स्ट ऐड लेक्चरर डॉ. नीना ने आपदा के दौरान घायल व्यक्तियों को फर्स्ट ऐड देकर उनकी जान बचाने के उपाय बताएं।

कृषि एवं बागवानी क्रियाओं में कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग पर दिया जा रहा है जोर : डा. प्रमोद कुमार

सोनीपत, 15 मई (विनोद) : जिला उद्यान अधिकारी डा. प्रमोद कुमार ने बताया कि किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार (वनस्पति संरक्षण, संगरोह एवं संगठन निदेशालय) के निर्देशानुसार कृषि क्रियाओं में कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग को लेकर गांव हलालपुर में एक दिवसीय किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किसानों को बताया गया कि वे किस प्रकार कृषि एवं बागवानी क्रियाओं में कीटनाशकों का सुरक्षित उपयोग कर सकते हैं, जिससे उन्हें और अधिक लाभ होगा।

इस दौरान पौध संरक्षण अधिकारी डा. लक्ष्मीकांत ने किसानों को विभाग की योजनाओं के बारे में जागरूक किया और बताया कि हम किस प्रकार प्राकृतिक खेती कर अपने स्वास्थ्य और अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान कम रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करें क्योंकि इससे हमारी मिट्टी तो खराब होती ही है और हमारे स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इस दौरान गांव के लगभग 50 से अधिक किसानों द्वारा भाग लिया गया। इस मौके पर उपस्थित किसानों को टीम द्वारा बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी की एक-एक किट भी वितरित की गई। इस मौके पर किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (वनस्पति संरक्षण, संगरोह एवं संगठन निदेशालय) के वैज्ञानिक डॉ. जमना नैगी व अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड के तत्वावधान में जैव विविधता प्रबंधन समितियों के पुनर्गठन बारे खंड स्तरीय बैठक आयोजित

कलायत, 15 मई (सूबे सिंह मोर) : खंड कलायत के मीटिंग हॉल में शुक्रवार को हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड अध्यक्ष रणदीप सिंह जौहर एवं सदस्य सचिव अतुल जे सिरिस्कर में जैव विविधता प्रबंधन समितियों के पुनर्गठन के लिए खंड स्तरीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सोनू ढूल ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण आज के समय की बहुत बड़ी जरूरत है इसके लिए जैव विविधता अधिनियम 2002 के प्रावधानो का सही ढंग से क्रियान्वयन जरूरी है। इसके लिए उन्होंने सभी समिति सदस्यों से अपील की कि वे जैव विविधता प्रबंधन समिति में इच्छुक लोगों को शामिल करना सुनिश्चित करें जिससे जैव विविधता अधिनियम के प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके इस बीच हरियाणा राज्य विविधता बोर्ड कैथल की जिला समन्वयक रेखा रानी ने जैव विविधता के प्रकार, स्थिति संरक्षण एवं इसके महत्व व जैव विविधता प्रबंधन समिति के कार्य, शक्तियां कर्त्तव्य और जैव विविधता अधिनियम 2002, नियम 2004 के अन्य पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही सभी सदस्यों से लोक जैव विविधता पंजिका (क्कक्क) के सत्यापन के लिए तकनीकी सहायता समूह (ञ्जस्त्र) की ग्राम पंचायत स्तर पर क्कक्क सत्यापन में मदद करें। इस मौके पर श्रीमती सोनू ढूल बीडीओ असिस्टेंट खंड के अन्य पंचायत अधिकारियों ने भाग लिया

साइबर अपराधों से बचने के लिए रहें सजग व सतर्क : डीसी

करनाल, 15 मई (सुनील कुमार) : डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि बढ़ते हुए साइबर अटैक अथवा साइबर अपराधों को रोकने में सरकार व प्रशासन ही नहीं उपभोक्ता की भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे हमलों को रोकने में उपभोक्ताओं की सजगता और सतर्कता की बहुत बड़ी भूमिका होती है। साइबर अटैक के लिए आवश्यक है कि उपभोक्ता, फोरम, वेबसाइट पर अपनी संवेदनशील जानकारी ईमेल आईडी, पासवर्ड, क्रेडिट कार्ड की डिटेल शेयर न करें। अपना पासवर्ड मजबूत रखें, कोई भी लिंक क्लिक करने से पहले देखें कि वह वेबसाइट ठीक है या नहीं। उन्होंने कहा कि सिस्टम की सुरक्षा के लिए अपने सिस्टम को अपडेट करते रहें और भरोसेमंद सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें। उन्होंने बताया कि स्पैम मैसेज को खोलने से बचें और ओपन वाईफाई का इस्तेमाल न करें। साथ ही एक ही वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क का प्रयोग करें। आप एक सुरक्षित नेटवर्क से जुडक़र सावधानी और सजगता बरतकर साइबर हमले अथवा अपराध की गिरफ्त में आने से बच सकते हैं। इसी कड़ी में पुलिस विभाग द्वारा भी साइबर अपराधों से निपटने के लिए हेल्पलाइन नम्बर 1930 शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि अटैकर्स कमजोर सिस्टम पर हमला करने और उस पर नियंत्रण करने के लिए मैलिसस कोड का सहारा लेते हैं। साइबर सिक्योरिटी पर अटैक अनेक प्रकार से किए जा सकते हैं। इसके लिए मैलवेयर, फिशिंग अटैक, डिनायल ऑफ सर्विस, मेन इन द मिडिल के माध्यम से किया जा सकता है। इसको सिस्टम को हैक करने, क्रिप्टो करेंसी के रूप में पैसे की मांग के लिए या फिर डार्क वेब पर डेटा बेचने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तरह के हमले में संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण जानकारी जो उपयोगकर्ता की वेबसाइट पर उपलब्ध है, उसे बिना किसी वेबसाइट या यूजर्स के ज्ञान के हाईजैक किया जा सकता है।

गीता स्कूल शेरा ने सी. बी. एस. ई. 12वीं व 10वीं की बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

Preeti D/o Shispal | Yashika D/o Sunil | Shorya | Priyanshi D/o Ravinder | Rashmi D/0 Ravinder | Reet D/0 Jitender | Jaspreet D/o Sanjay | Prateek S/o Satnarayan

मूनक, 15 मई (जय भगवान) : 12वीं की बोर्ड परीक्षा कुल 82 छात्रों ने दी। जिसमें मैडिकल संकाय में 95% अंक लेकर प्रियांशी गांव भूसलाना व नॉन मैडिकल में प्रतीक शर्मा गांव सौदापुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कॉंमर्श संकाय में 95% अंक लेकर जसप्रीत गांव गोल्ली व कला संकाय में 92% अंक लेकर प्रीति शर्मा गांव आसन्न कलां ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

39 छात्रों ने मैरिट में स्थान प्राप्त किया। 35 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में स्थान हासिल किया। 12वीं का परिणाम 100%. रहा। 10 वीं की बोर्ड परीक्षा कुल 83 छात्रों ने दी। जिसमें स्थान इस प्रकार रहे। प्रथमः – रीत गांव गोल्ली–94.4% , यशिका शर्मा धर्मगढ़ –94.4%. द्वितीय : रश्मि गांव कवि –93 %, तृतीय : शौर्य गांव जोशी माजरा – 90.6% प्राप्त किए। 45 छात्रों ने मैरिट में जगह पाई। 32 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में जगह पाई। 10 वीं का परिणाम 100%. रहा।

प्रिंसिपल महाबीर कौशिक ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी और कहा कि टॉपर छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय में खुशी का माहौल रहा और सभी को मिठाई बांटी गई। इस मौके पर प्रधान धर्मपाल कौशिक व प्रबन्धक राकेश कौशिक उपस्थित रहे।

नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना प्रशासन का लक्ष्य : डा.रमन गुप्ता

कुरुक्षेत्र, 15 मई (सुदेश कुमार) : नगराधीश डा. रमन गुप्ता ने कहा कि प्रशासन की तरफ से लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के लिए लघु सचिवालय के सभागार में सप्ताह में हर सोमवार व वीरवार कार्य दिवस में समाधान शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक किया जा रहा है। इन समाधान शिविरों में लोगों को अपनी समस्याएं रखनी चाहिए। अहम पहलू यह है कि उपायुक्त नेहा सिंह के मार्गदर्शन में प्रशासकीय अधिकारियों का बकायदा शैडयूल बनाया गया है जोकि प्रत्येक सप्ताह के सोमवार व वीरवार कार्य दिवस में आमजन की समस्याओं का समाधान कर रहे है। नगराधीश डा. रमन गुप्ता वीरवार को लघु सचिवालय के एनआईसी कार्यालय के सभागार में प्रशासन की तरफ से लगाए गए समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इससे पहले डा.रमन गुप्ता ने क्रिड और अन्य विभागों से सम्बन्धित 41 समस्याओं को सुना और इनमें से 30 समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया है और शेष समस्याओं का जल्द समाधान करने के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में समय पर पहुंचना सुनिश्चित करे और लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करे। इस विषय को गंभीरता के साथ लेना है और लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद समाधान भी करना है। उन्होंने कहा कि अगर लोग हर विभाग से सम्बन्धित समस्या को समाधान शिविर में लेकर आएंगे और इस शिविर में बैठे अधिकारी लोगों की समस्या का समाधान करेंगे तभी सरकार का मकसद पूरा हो पाएगा। सरकार ने लोगों की हर प्रकार की समस्या का समाधान करने के लिए एक ही छत के नीचे समाधान शिविर लगाने का निर्णय लिया। इस मौके पर सम्बन्धित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

गलियों में पशु बांधने वालों को लगेगा जुर्माना, जरूरत पडने़ पर होगी एफआईआर दर्ज : उपायुक्त डॉक्टर विरेंदर कुमार दहिया

पानीपत, 15 मई (हरप्रीत छतवाल) : उपायुक्त डॉक्टर विरेंदर कुमार दहिया ने वीरवार को जिला सचिवालय के प्रथम तक पर स्थित सभागार में सनौली खंड के सरपंचों, ग्राम सचिवों के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करके गांव के विकास को गति प्रदान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि जो ग्रामीण गलियों में पशुओं को बांधते हैं व ट्रैक्टर ट्रॉली खड़ा करते हैं पहले उन्हें सूचित करें न मानने पर जुर्माना लगाए व जरूरत पडने़ पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए। उपायुक्त ने कहा कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के विकास को लेकर संचालित की जा रही योजनाओं को और गति देने की आवश्यकता है। सरपंच गांव में जिला परिषद द्वारा किए जा रहे विकास कार्य को चेक कर सकता है। उपायुक्त ने सरपंचों की समस्याओं को भी सुना व उन्हें दूर करने का आश्वासन भी दिया। उपायुक्त ने कहा कि आगामी समय में बारिश का मौसम नजदीक है, सभी नाले व गालियों की सफाई रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हमे अभी से पौधारोपण के लिए भी जगह का चयन करना चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि गांव को पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए जोरदार प्रयास करने की आवश्यकता है। सभी सरपंचों को चाहिए कि वे कूड़े करकट को, पॉलिथीन को एक जगह डालना सुनिश्चित करें ताकि जरूरत पडने़ पर उसका उपयोग किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि सरपंच की अहम जिम्मेदारी है वो गांव को साफ सुथरा रखे व सफाई कर्मचारियों को उनको इसके प्रति जागरूक करे। उपायुक्त ने सरपंचों को निर्देश दिए कि वो गांव की साफ सफाई को लेकर सफ़ाई कर्मचारियों के कार्यों की समय समय पर जांच करें व स्वयं निरीक्षण भी करेंगे। उपायुक्त ने कहा कि ग्राम पंचायत की भूमि पर जो अवैध अतिक्रमण है उसे हटाया जाएगा। सभी ग्राम सचिवों को सरपंचों का सहयोग करना होगा। उपायुक्त ने कहा कि गांव की गलियों में जो ग्रामीण भैंसों को बांधकर गांव की सफाई की अनदेखी करते हैं व गंदगी को बढ़ावा देते हैं ऐसे लोगों पर कार्यवाही होगी। उपायुक्त ने कहा कि शहरो की तरह गांव को भी पॉलिथीन मुक्त करना है इसके लिए आज से ही प्रयास करने होंगे वे गांव में जाकर खुद निरीक्षण करेंगे वह सफाई का मुआयना करेंगे। इस मौके पर सीईओ डॉक्टर किरण सिंह, डिप्टी सीईओ कंचन लता विभिन्न गांव के सरपंच व ग्राम सचिव मौजूद रहे।

कलायत खंड में 10 सरपंचों को प्रशिक्षण शिविर में हाजिरी न रहने पर बीडीपीओ ने की कार्यवाही

कलायत, 15 मई (सूबे सिंह मोर) : कलायत खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी ने 10 सरपंचों को प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें हरिपुरा, जुलानी खेड़ा, कलासर, कमालपुर, खेड़ी शेरखां, मटौर, पिंजुपुरा, शिमला, चौशाला व सिंणद के सरपंच शामिल हैं। प्रविभिन्न गांवों के मुखियों के खिलाफ इस प्रकार आदेशों की पालना न करने पर क्या कार्यवाही हो सकती है? इसका अधिकारी खुलासा नहीं कर रहे। जो नोटिस जारी हुआ है उस पर केवल एक प्रति केवल जिला परिषद कैथल कार्यकारी अधिकारी को भेजने का उल्लेख है। जबकि ठोस कार्यवाही के लिए इस प्रकार के मामलों में विभाग के निदेशक, जिला उपायुक्त, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी व अन्य शीर्ष अधिकारियों को स्थिति से अवगत करवाया जाता है। जारी नोटिस में बताया गया है कि राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत 13 व 14 मई को दो-दिवसीय रीफ्रेशर-सह-ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम कैथल में आयोजित हुआ। इसके माध्यम से पंचायती राज संस्थानों के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों को नवीनतम जानकारी से अपडेट और कार्यप्रणाली के बारे में परिचित करवाना था। इसका लक्ष्य पंचायती राज संस्थानों के कामकाज को मजबूत करना है। इसमें 10 गांवों के सरपंच हाजिर नहीं हुए। इस पर बीडीपीओ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सरपंच एसोसिएशन प्रधान रमेश मटौर ने बताया कि 13 मई को प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए मेरे साथ खरक पांडवा, चौशाला और कलासर गांव के सरपंच प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए रवाना हुए थे। अचानक कैलरम गांव के पास गाड़ी का टायर फट गया। इसलिए हम देरी से कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम में उपस्थिति की पुष्टि के लिए हमारे द्वारा अधिकारियों को फोटो व अन्य साक्ष्य उपलब्ध करवाए गए हैं। बीडीपीओ कुमारी समिता ठाकुर द्वारा जारी नोटिस में यह उल्लेख किया गया है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरपंचों का गैर हाजिर होना यह दर्शाता है कि वे ड्यूटि के प्रति लापरवाह हैं। कारण बताओ नोटिस का जवाब 15 मई को खंड कार्यालय में सरपंचों को स्वयं हाजिर होकर देने के निर्देश हैं। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही के लिए बीडीपीओ द्वारा सरपंचों को जिम्मेवार माना जाएगा।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान : पार्थ गुप्ता

यमुनानगर, 15 मई (दिनेश कुमार) : डीसी पार्थ गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा।

जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बिलासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। डीसी ने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके।

इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। उपायुक्त ने बताया कि समाधान शिविर में 13 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें साढौरा निवासी कमल कुमार ने नगर पालिका साढौरा में अवैध जोड़ की निकासी बारे, तेजली निवासी कमलेश ने बिजली का बिल सही करवाने बारे, घोड़ो पिपली निवासी विक्रम सिंह ने पुलिस से सम्बंधित शिकायत रखी।

यमुनानगर निवासी मंजू व चौधरी कॉलोनी निवासी सोनू ने परिवार पहचान पत्र ठीक करवाने बारे, ऊँचा चंदना निवासी रजनी ने परिवार पहचान पत्र व वोटर कार्ड बनवाने बारे, बाग का माजरा निवासी अनिल कुमार बीपीएल राशन कार्ड बनवाने बारे, हुड्डा जगाधरी निवासी यशपाल मलिक ने हुड्डा ऑफिस से सम्बंधित शिकायत रखी।

इसी प्रकार यमुनानगर निवासी सुशील कुमार ने परिवार पहचान पत्र ठीक करवाने बारे, मुखर्जी पार्क निवासी संदीप शर्मा ने घर के आगे से बिजली की तार हटवाने बारे समस्या रखी।

इस अवसर पर आईएएस अंडर ट्रेनिंग सुमन यादव, नगराधीश पीयूष गुप्ता, डीडीपीओ नरेंद्र सिंह, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है समाधान : एसडीएम

यमुनानगर, 15 मई (दिनेश कुमार) : एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल ने लघु सचिवालय व्यासपुर में स्थित अपने कार्यालय में समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं को सुना। इस मौके पर एसडीएम ने बताया कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है। समाधान शिविर में वीरवार को परिवार पहचान पत्र, बिजली, राशन कार्ड तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से संबंधित 3 शिकायतें आई जिनका मौके पर समाधान किया गया। समाधान शिविर में उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार उपमंडल स्तर पर सप्ताह में दो दिन सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन कर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, पुलिस विभाग से जुड़ी समस्याओं, पंचायती राज या फिर किसी अन्य विभाग की समस्या हो तो वह शिविर में लाई जा सकती है। जिन समस्याओं का मौके पर ही निदान संभव होता है उनका समाधान किया जा रहा है व अन्य समस्याओं के मामलों में यथाशीघ्र एक्शन लेते हुए निर्धारित समय में समाधान के निर्देश दिए जाते हैं। समाधान शिविर में डीएसपी व्यासपुर हरविंद्र सिंह, तहसीलदार दलजीत सिंह, सीडीपीओ किरण बाला, बिलासपुर के एमआरसी राजेश कुमार, लिपिक मनकीत सिंह, चमन लाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

उन्नत एवं खुशहाल जीवन का आधार है भगवान हनुमान की भक्ति

- ललित गर्ग

भगवान हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे। वे उन्नत जीवन के आधार है। उनसे सफल एवं सार्थक जीवन के प्रबंधन की शिक्षा मिलती है। वे हर युग में अपने भक्तों को अपने स्वरूप का दर्शन कराते हैं और उनके दु:खों को हरते हैं। वे मंगलकर्त्ता एवं विघ्नहर्त्ता हैं।मंगलवार को हनुमानजी का जन्म हुआ, ऐसा माना जाता है। भिन्न-भिन्न लोगों ने इस महान् आत्मा का मूल्यांकन भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण से किया है। हनुमान का चरित्र एक लोकनायक का चरित्र है और उनके इसी चरित्र ने उन्हें सार्वभौमिक लोकप्रियता प्रदान की है। तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं में मात्र हनुमान ही ऐसे हैं जिनकी आधुनिक युग में सर्वाधिक पूजा की जाती है और जन-जन के वे आस्था के केन्द्र हैं। उनके चरित्र ने जाति, धर्म और सम्प्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया है। हनुमान का चरित्र बहुआयामी हैं क्योंकि उन्होंने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे एक महान् योगी एवं तपस्वी हैं और इससे भी आगे वे रामभक्त हैं। हनुमान-भक्ति भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है संयम की, पवित्रता की। यह भक्ति एक बदलाव की प्रक्रिया है। यह भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय का उपक्रम है। इससे अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। उत्कृष्ट विलक्षणताओं के प्रतीक हनुमान पूर्ण मानव थे। कहते हैं कि ब्रह्मा ने जब मनुष्य का निर्माण किया तो उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई, क्योंकि उन्हें यह अनुभूत हुआ कि उनके द्वारा सृष्ट मानव ईश्वर का साक्षात्कार करने में समर्थ है। मानव न केवल संपूर्ण प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है, प्रत्युत वह अपनी साधना के द्वारा ब्रह्मपद को भी प्राप्त कर सकता है। त्रेतायुग के सर्वाधिक शक्तिशाली मानव हनुमान जिन्हें भ्रमवश अनेक देशी-विदेशी विद्वान पेड़ों पर उछल-कूद करनेवाला साधारण वानर मानते रहे हैं, अपने अलौकिक गुणों और आश्चर्यजनक कार्यो के बल पर कोटि-कोटि लोगों के आराध्य बन गये। भारत ही नहीं, विश्व के इतिहास में किसी ऐसे मानव का उल्लेख नहीं मिलता, जिसमें शारीरिक बल और मानसिक शक्ति का एक साथ इतना अधिक विकास हुआ हो जितना हनुमान में हुआ था। प्राचीन भारत में ब्रह्मतेज से युक्त अनेक महामानव हुए। इसी प्रकार इस पावनभूमि में ऐसे विशिष्ट व्यक्ति भी हुए जो शारीरिक बल में बहुत बलशाली थे, परन्तु ब्रह्मतेज के साथ-साथ शास्त्र-बल का जो आश्चर्यजनक योग हनुमान में प्रकट हुआ, वह अन्यत्र दिखाई नहीं पड़ता। शुद्ध आचार, विचार और व्यवहार से जुड़ी हनुमान की ऐसी अनेक चारित्रिक व्याख्याएं हैं जिनमें जीवन और दर्शन का सही दृष्टिकोण सिमटा हुआ है। हनुमान को बुद्धिमानों में अग्रगण्य माना जाता है। ऋग्वेद में उनके लिए 'विश्ववेदसम्' शब्द का प्रयोग किया गया है। इसका अभिप्रेत अर्थ है- विद्वानों में सर्वश्रेष्ठ। हनुमान अपने युग के विद्वानों में अग्रगण्य थे। उनकी गणना सामान्य विद्वानों में नहीं, बल्कि विशिष्ट विद्वानों में की जाती थी। वाल्मीकि रामायण में हनुमान को महाबलशाली घोषित करते हुए 'बुद्धिमतां वरिष्ठं' कहना पूर्ण युक्ति संगत है। 'रामचरितमानस' में भी उनके लिए 'अतुलित बलधामं' तथा 'ज्ञानिनामग्रगण्यम' इन दोनों विशेषणों का प्रयोग द्रष्टव्य है। ब्रह्मचारी हनुमानजी महान् संगीतज्ञ और गायक भी थे। इनके मधुर गायन को सुनकर पशु-पक्षी एवं सृष्टि का कण-कण मुग्ध हो जाता था। हनुमान की विद्वता के साथ-साथ तर्क-शक्ति अत्यंत उच्च कोटि की थी। ऐसे अनेक प्रसंग है जब हनुमान ने अपनी तर्क-शक्ति से अनेक जटिल स्थितियों को सहज बना दिया। उनकी अलौकिक साधना एवं नैसर्गिक दिव्यता का ही परिणाम था कि वे भय और आशंका से भरे वातावरण में भी नि:शंक और निर्भीक बने रहते थे। संकट की घड़ी में भी शांतचित्त होकर अपने आसन्न कर्तव्य का निश्चय करना उत्तम प्रज्ञा का प्रमाण है। हनुमान इस सर्वोत्कृष्ट प्रज्ञा से युक्त थे। प्राचीन भारत की सर्वश्रेष्ठ भाषा संस्कृत और व्याकरण पर हनुमान का असाधारण अधिकार था। हनुमान ने सूत्र, वृत्ति, वार्तिक, महाभाष्य तथा संग्रह का भली-भांति अध्ययन किया था। अन्यान्य ग्रंथों तथा छंद-शास्त्र के ज्ञान में भी उनकी समानता करनेवाला कोई नहीं था। संपूर्ण विद्याओं के ज्ञान में उनकी तुलना देवताओं के गुरु बृहस्पति से की गयी है। महर्षि अगस्त्य के अनुसार हनुमान नवों व्याकरणों के अधिकारी विद्वान थे। नोबेल पुरस्कार विजेता आक्टाभियो पाज का भी यह सुनिश्चित मत है कि हनुमान ने व्याकरण शास्त्र की रचना की थी।मारुति नंदन, परमवीर, श्रीराम भक्त हनुमानजी की पवित्र मन से की गयी साधना और भक्ति चमत्कारपूर्ण परिणाम देने वाली है। हनुमानजी शिव के अवतार माने जाते हैं और ग्यारहवें रुद्र के रूप में इनकी मान्यता है।

पंच केदार में होती है तुंगनाथ मंदिर की गिनती

दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर है तुंगनाथ मंदिर है। इसकी गिनती पंच केदार यात्रा में की जाती है, जोकि उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय क्षेत्र में स्थित पांच पवित्र जगहों में से एक है, हालांकि यह चार धाम यात्रा से अलग है। पौराणिक कथा के मुताबिक कुरुक्षेत्र युद्ध के बाद पांडवों में भगवान शिव से क्षमा मांगनी पड़ी थी। ऐसे में भगवान शिव ने लुका-छुपी का एक खेल खेला। जिसके तहत पांच अलग-अलग स्थानों पर पांच मंदिरों की स्थापना हुई। जिसमें केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर और कल्पेशर शामिल हैं। इनमें से तुंगनाथ मंदिर तीसरा और सबसे अहम शिव मंदिर है। तुंगनाथ मंदिर न सिर्फ पंच केदार मंदिरों में सबसे ऊंचा है, बल्कि यह विश्व का भी सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। यह मंदिर 3,680 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। तुंगनाथ मंदिर का इतिहास महाभारत काल के पांडवों से जुड़ा है। यहां के स्थानीय लोगों की मानें, तो 8वीं शताब्दी के दार्शनिक और संत आदि शंकराचार्य ने मंदिर की खोज की थी। वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कत्यूरी शासकों ने 8वीं शताब्दी में इस मंदिर का निर्माण किया गया था। बद्री केदार मंदिर समिति द्वारा उत्तराखंड में स्थित तुंगनाथ मंदिर के खुलने की तारीख तय की जाती है। उत्तराखंड में चार धामों की शुरुआत के साथ तीसरे केदार तुंगनाथ का उद्घाटन होता है। आमतौर पर अप्रैल या मई में वैशाख पंचमी पर यह मंदिर भक्तों के लिए खुल जाता है। तुंगनाथ मंदिर तक पहुंचने के लिए आपको उत्तराखंड के चोपता आना होगा। चोपता से तुंगनाथ तक का ट्रेक करीब 3.5 किमी का है। हालांकि यह ट्रैक ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन इसको आसान भी नहीं कहा जा सकता है। इस ट्रैक के दौरान आपको घास के मैदान और बर्फ से ढके पहाड़ों को देखकर आपका दिल खुश हो जाएगा। चोपता से तुंगनाथ पहुंचने में करीब 2 से 3 घंटे तक का समय लगता है। उत्तराखंड के चोपता से तुंगनाथ ट्रेक की शुरुआत होती है। ऐसे में आपको सबसे पहले हरिद्वार या ऋषिकेश पहुंचना होगा, फिर वहां से चोपता के लिए बस या टैक्सी करें। या फिर आप उखीमठ से बस ले सकते हैं। उखीमठ से आप लोकल टैक्सी ले सकते हैं। चोपता उत्तराखंड का बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है और इसको भारत का मिनी स्विटजरलैंड भी कहा जाता है। बता दें कि तुंगनाथ मंदिर पहुंचने के बाद आप केदारनाथ, नंदा देवी, त्रिशूल और चौखंबा की राजसी चोटियों को भी देख सकते हैं। मंदिर तक जाने के बाद अगर आप चंद्रशिला शिखर तक जाना चाहते हैं, तो आपको तुंगनाथ मंदिर से आगे 1.5 किमी जाना होगा। पौराणिक कथाओं के मुताबिक इस शिखर पर भगवान श्रीराम ने ध्यान किया था।

सनातन धर्म में अमरनाथ यात्रा का महत्व

सनातन धर्म में अमरनाथ यात्रा का खास महत्व है। बेहद कठिन होने के साथ ही पुण्यकारी भी मानी जाती है। इस गुफा में शिवलिंग प्राकृतिक रूप से बनता है, जिसको बाबा बर्फानी के नाम से जाना जाता है। ऐसे में हर साल भारी संख्या में श्रद्धालु अमरनाथ की यात्रा पर जाते हैं। हर साल अमरनाथ श्राइन बोर्ड की बैठक में इस यात्रा की तारीफ का ऐलान किया जाता है। ऐसे में इस बार 03 जुलाई 2025 से अमरनाथ की पावन यात्रा की शुरूआत हो रही है। जोकि 09 अगस्त 2025 को संपन्न होगी। वहीं अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो चुकी है। इस बार अमरनाथ तीर्थयात्रा 37 दिनों तक चलने वाली है।

हिंदू शास्त्रों में इस बात की उल्लेख मिलता है कि इस गुफा में महादेव ने मां पार्वती को अमर कथा सुनाई थी। मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से अमरनाथ की यात्रा और बाबा बर्फानी के दर्शन करता है, तो उसके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मृत्यु के बाद वह मोक्ष को प्राप्त करता है। अमरनाथ यात्रा करने और बाबा बर्फानी के दर्शन करने से व्यक्ति को 23 तीर्थों के दर्शन जितना पुण्यफल प्राप्त होता है। अमरनाथ में स्वयंभू शिवलिंग की ऊंचाई चंद्रमा के चरणों के आधार पर घटती व बढ़ती रहती है।

आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि से अमरनाथ यात्रा की शुरूआत होती है, जो पूरे सावन माह चलती है। यह यात्रा श्रावण माह की पूर्णिमा यानी की रक्षाबंधन के दिन संपन्न होती है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शंकर सबसे पहले श्रावण पूर्णिमा के दिन इस गुफा में आए थे। इसलिए श्रावण पूर्णिमा पर इस गुफा के दर्शन का विशेष महत्व माना गया है।

असल में छड़ी मुबारक अमरनाथ यात्रा की एक धार्मिक परंपरा है। जिसको काफी अहम माना जाता है। इस दौरान भगवान शिव से संबंधित मानी गई छड़ी या पवित्र गदा को अमरनाथ गुफा ले जाया जाता है। जोकि अमरनाथ यात्रा के समापन का भी प्रतीक होता है। हर साल अमरनाथ श्राइन बोर्ड की बैठक में इस यात्रा की तारीफ का ऐलान किया जाता है। ऐसे में इस बार 03 जुलाई 2025 से अमरनाथ की पावन यात्रा की शुरूआत हो रही है। जोकि 09 अगस्त 2025 को संपन्न होगी।

जीवन की परेशानियां दूर होती हैं नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र से

अनेक लोग, विशेष देवी दुर्गा के परम भक्त, यह मानते हैं कि नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र एक चमत्कारिक चक्र है, जिसे के माध्यम से कोई भी अपने जीवन की समस्त परेशानियों और मन के सवालों का संतोषजनक हल आसानी से पा सकते हैं। इस चक्र के उपयोग की विधि के लिए पहले पांच बार ऊँ ऐं ह्लीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे मंत्र का जप करना पड़ता फिर एक बार या देवी सर्वभूतेषु मातृरुपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम: मंत्र का जप कर, आंखें बंद करके सवाल पूछा जाता है और देवी दुर्गा का स्मरण करते हुए प्रश्नावली चक्र पर उंगली घुमाते हुए रोक दिया जाता है, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है।

जीवन की समस्याओं का समाधान बताते हैं यंत्र

हिन्दू धर्म के अनेक ग्रंथों में कई तरह के चक्रों और यंत्रों के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है। जिनमें राम शलाका प्रश्नावली, हनुमान प्रश्नावली चक्र, नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र, श्रीगणेश प्रश्नावली चक्र आदि प्रमुख हैं। कहते हैं इन चक्रों और यंत्रों की सहायता से लोग अपने मन में उठ रहे सवालों, जीवन में आने वाली कठिनाइयों आदि का समाधान पा सकते हैं। इन चक्रों और यंत्रों की सहायता लेकर केवल आम आदमी ही नहीं बल्कि ज्योतिष और पुरोहित लोग भी सटीक भविष्यवाणियां तक कर देते हैं।

श्री राम शलाका प्रश्नावली

श्री राम शलाका प्रश्नावली का उल्लेख गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरित मानस में प्राप्त होता है। यह राम भक्ति पर आधारित है। इस प्रश्नावली का प्रयोग से लोग जीवन के अनेक प्रश्नों का जवाब पाते हैं। इस प्रश्नावली का प्रयोग के बारे कहा जाता है कि सबसे पहले भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए किसी सवाल को मन में अच्छी तरह सोच लिया जाता है।फिर शलाका चार्ट पर दिए गए किसी भी अक्षर पर आंख बंद कर उंगली रख दी जाती है। जिस अक्षर पर उंगली रखी जाती है, उसके अक्षर से प्रत्येक 9वें नम्बर के अक्षर को जोड़ कर एक चौपाई बनती है, जो प्रश्नकर्ता के प्रश्न का उत्तर होती है।

हनुमान प्रश्नावली चक्र

यह बात बहुत कम लोगों को पता है कि हनुमानजी एक उच्च कोटि के ज्योतिषी भी थे। इसका कारण शायद यह हो सकता है कि वे शिव के ग्यारहवें अंशावतार थे, जिनसे ज्योतिष विद्या की उत्पत्ति हुई मानी जाती है। कहते हैं, हनुमानजी ने ज्योतिष प्रश्नावली के 40 चक्र बनाए हैं। यहां भी प्रश्नकर्ता आंख मूंद कर चक्र के नाम पर उंगली रखता है। अगर उंगली किसी लाइन पर रखी गई होती है, तो दोबारा उंगली रखी जाती है। फिर नाम के अनुसार शुभ-अशुभ फल का निराकरण किया जाता है। कहते हैं। रामायण काल के परम दुर्लभ यंत्रों में हनुमान चक्र श्रेष्ठ यंत्रों का सिरमौर है।

श्रीगणेश प्रश्नावली चक्र

हिंदू मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश प्रथमपूज्य हैं। वे सभी मांगलिक कार्यों में सबसे पहले पूजे जाते हैं। उनकी पूजा के बिना कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। श्रीगणेश प्रश्नावली यंत्र के माध्यम से भी लोग अपने जीवन की सभी परेशानियों और सवालों के हल जानने की कोशिश करते हैं। जिसे भी अपने सवालों का जवाब या परेशानियों का हल जानना होता है, वे पहले पांच बार ऊँ नम: शिवाय: और फिर 11 बार ऊँ गं गणपतयै नम: मंत्र का जप करते हैं और फिर आंखें बंद करके अपना सवाल मन में रख भगवान गणेश का स्मरण करते हुए प्रश्नावली चक्र प्रश्नावली चक्र पर उंगली घुमाते हुए रोक देते हैं, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है।

शिव प्रश्नावली यंत्र

इस यंत्र में भगवान शिव के एक चित्र पर 1 से 7 तक अंक दिए गए होते हैं। श्रद्धालु अपनी आंख बंद करके पूरी आस्था और भक्ति के साथ शिवजी का ध्यान करते हैं जाप कर उंगली को शिव यंत्र पर घुमाते हैं और फिर उंगली घुमाते हुए रोक देते हैं, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है इन प्रश्नावलियों और यंत्रों के अलावा अनेक लोग साईंप्रश्नावली का उपयोग अपने मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए करते हैं।

आज भी प्रासंगिक हैं अंगविभूति साधक बाबा भूतनाथ के संदेश

- शिव शंकर सिंह पारिजात

महाभारत कालीन वीर योद्धा दानवीर कर्ण, मौर्यकालीन सम्राट अशोक की माता शुभ्रदांगी, भगवान बुद्ध की महान शिष्या विशाखा, तीर्थंकर महावीर की विदुषी शिष्या चन्दनबाला, जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर भगवान बासुपूज्य का जन्म-स्थली के साथ हाल के वर्षों में बिहार ही नहीं, पूरे भारत व विदेश में प्रसिद्ध महर्षि मेहीं की कर्मस्थली रही अंगभूमि भागलपुर के इन विभूतियों की कड़ी में एक और नाम बाबा भूतनाथ (1860-1951) का आता है जिनके दर्शन और वचन आज भी अति प्रासंगिक हैं। विगत 26 अप्रैल, 25 को भागलपुर के बड़ी खंजरपुर में गंगा के किनारे स्थित मठ-घाट के बाबा भूतेश्वर नाथ शिव मंदिर के प्रांगण में पारंपरिक अनुष्ठान के साथ बाबा भूतनाथ के परिजनों एवं प्रबुद्ध लोगों के सहयोग से बाबा भूतनाथ की आवक्ष प्रतिमा स्थापित की गई जिसका अनावरण भागलपुर नगर निगम की मेयर डॉ वसुंधरा लाल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा भूतेश्वरनाथ महादेव की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। तत्पश्चात, बाबा भूतनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ शहर के अनेक बुद्धिजीवी एवं गणमान्य व्यक्तित्वों ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर समाज सेवी डॉ (प्रो) देबज्योति मुखर्जी, डॉ. समरेंद्र भौमिक, सोमनाथ शर्मा, पवन कुमार, सीताराम रमन, बजरंग बिहारी शर्मा? सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों के अलावा शिव शंकर सिंह पारिजात भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में पंडित महाशय भूतनाथ के परिवार की ओर से श्रीमती निरुपमा मुखर्जी, श्रीमती अरुणा चैटर्जी, श्री सुप्रभात मुखर्जी, श्री अशुतोष मुखर्जी, श्री सुप्रियो मुखर्जी सहित अन्य परिजन भी सम्मिलित हुए।

बाबा भूतनाथ की प्रतिमा अनावरण के अवसर पर बाबा के परपोते सुप्रियो मुखर्जी ने बताया कि आज जिस मंदिर में बाबा की मूर्ति बैठाई जा रही है वहां पर स्थापित शिवलिंग बाबा भूतनाथ को 1915 में गंगा दियारा में स्वप्न-संकेत द्वारा मिला था जहां बाबा की प्रेरणा से सेठ जोगीराम ढांढणिया ने साधो राम और गणेश झा के सहयोग से देवी मिस्त्री से यह मंदिर बनवाया।

बाबा भूतनाथ की बात की जाय, तो वे एक सिद्ध पुरुष तथा महान गृहस्थ साधक थे जिन्होंने अपनी आध्यात्मिक समृद्धि के कारण एक दिव्य साधक के रूप में पहचान बनाई जिनके शिष्य न सिर्फ अंग प्रदेश अपितु बिहार और पूरे भारत में फैले थे। गृहस्थ साधक के रूप में विख्यात बाबा भूतनाथ एक कुशल शिक्षक के साथ एक दक्ष विद्वान, विलक्षण संस्कृताचार्य सिद्ध योगी एवं सच्चे समाजसेवक थे जिन्होंने संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी सहित बांग्ला में सात ग्रंथों की रचना की। बाबा भूतनाथ का व्यक्तित्व और कृतित्व यह दर्शाता है कि वे हमारी सनातन व वैदिक परम्परा के पहुंचे हुए व्यक्तित्व हैं जिनपर समस्त अंगभूमि को नाज है। हाल में बाबा भूतनाथ के परपोते सुप्रियो मुखर्जी ने उनपर भागलपुर के महान गृहस्थ साधक: बाबा भूतनाथ शीर्षक पुस्तक लिखा है जिसमें उनकी जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है।

जीवन के प्रारंभिक काल से धर्म और आध्यात्म से जुड़े बाबा भूतनाथ ने भगवत्व प्राप्ति हेतु कठोर साधना की थी। उन्होंने महान् योगी व दर्शन शास्त्री, लाहिड़ी महाशय के नाम से प्रसिद्ध सर्वश्री श्यामा चरण लाहिड़ी के शिष्यत्व में धर्म और आध्यात्म की शिक्षा-दीक्षा प्राप्त की थी। एक पहुंचे हुए धार्मिक प्रवृत्ति के साधक होते हुए भी बाबा का दृष्टिकोण अत्यंत मानवीय था। सदा आनंदित रहने का संदेश देते हुए वे कहते हैं कि सभी जीवों के भीतर परमात्मा विराजमान है जिसे जागृत करने की जरूरत है। बाबा भूतनाथ का जन्म ऐसे तो पश्चिम बंगाल में हुआ था, किंतु उनकी कर्मस्थली बिहार का भागलपुर जिला रहा। उनका जन्म 21 नवम्बर, 1860 ई. में कोलकाता से 80 किमी उत्तर बंगाल के एक छोटे से गांव मासाग्राम में जगद्धात्री पूजा के दिन हुआ था। पिता उमेशचंद्र भट्टाचार्य संस्कृताचार्य और पुजारी थे। पिता उमेशचंद्र भगवान शिव के अनन्य भक्त थे, अत: उन्होंने शिव कृपा से प्राप्त अपने पुत्र का नाम भगवान शंकर के एक स्वरुप भूतनाथ रखा। पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ बचपन से ही बालक भूतनाथ के अंदर आध्यात्मिक विकास के लक्षण दिखाई पड़ने लगे थे। भूतनाथ अक्सर ही अपने पिता के साथ पूजा मंडपों पर जाया करते थे तथा उनके द्वारा उच्चारित मंत्रों को ध्यान से सुना करते थे। 1786 में तरुण भूतनाथ ने मैट्रिक की परीक्षा संस्कृत में सर्वोच्च अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में पास की। उनके कॉलेज की शिक्षा वर्धमान राज कॉलेज से हुई। कॉलेज के दिनों में ही उनके अंदर गीता, वेद, पुराण, जातक जैसे धर्मग्रंथों के प्रति रुझान होने लगी। बीए आनर्स में भी उन्होंने संस्कृत में सर्वोच्च अंकों के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त किया। युवक भूतनाथ की पूजा-पाठ और ध्यानासास में अत्यधिक तल्लीनता को देखते हुए, इस भय से कि वे कहीं साधु-संन्यासी न बन जायें, पिता ने 1884 में उनका विवाह मासाग्राम के बगल के गांव की थाकोमणि देवी के साथ करा दिया। किंतु भूतनाथ घर-गृहस्थी के प्रति रुचिहीन थे और शादी के एक वर्ष के बाद वे रातों-रात बिना किसी को बताये एक अनजान गंतव्य की ओर निकल पड़े। गृह त्याग के बाद भूतनाथ अनेकों धार्मिक स्थलों का भ्रमण करते हुए काशी (बनारस) पहुंच गये जहां उनकी मुलाकात उस समय के महान् योगी और दर्शनशास्त्री श्यामाचरण लाहिड़ी अर्थात लाहिड़ी महाशय से हुई जिनके सान्निध्य में उन्होंने कई महीनों तक योग साधना की गहन शिक्षा प्राप्त की। बनारस के गंगा घाटों पर भगवत्व प्राप्ति हेतु आत्मलोक और परमात्मालोक को जाती समस्त विधियों व उपक्रमों की कठोर साधना में निरत भूतनाथ बाबा को अंतत: एक दिन भगवान के ज्योतिर्मयी रुप का दिव्य दर्शन प्राप्त हुआ। परमेश्वर के साथ तादात्म्य की यह एक ऐसी अलौकिक अनुभूति थी, जिसके लिये बाबा भूतनाथ का हृदय वर्षों से प्रतीक्षा कर रहा था। बाबा भूतनाथ के गुरु लाहिड़ी महाशय उच्च कोटि के एक ऐसे साधक थे जिन्होंने सद्गृहस्थ के रूप में रहते हुए भी दिव्य यौगिक पूर्णता हासिल की थी। लाहिड़ी महाशय ने अपने शिष्य भूतनाथ को भी बनारस से वापस जाकर अपने गृहस्थ जीवन का भलीभांति उत्तरदायित्व सम्हालते हुए एक पथ प्रदर्शक की भांति सर्वजनों को परमेश्वर के प्रति अग्रसर करने का निर्देश दिया जिसके कारण बाद में वे गृहस्थ साधक के नाम से प्रसिद्ध हुए। बनारस के गंगा तट की शांति से बाबा भूतनाथ अत्यंत प्रभावित हुए थे।

हेमंत मल्होत्रा ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

कैथल, 15 मई (प्रवेश बहादुर) : सी बी एस. ई के 12वीं परीक्षा के परिणाम में कैथल के दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्र हेमंत मल्होत्रा ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। छात्र हेमंत मल्होत्रा पब्लिक हेल्थ के सेवानिवृत अधिकारी एवं समाज सेवी यश पाल मल्होत्रा के पौत्र है।

कष्ट निवारण समिति की बैठक 19 को

पानीपत, 15 मई (हरप्रीत छतवाल) : सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार सोमवार 19 मई को दोपहर बाद 2 बजे जिला सचिवालय के द्वितीय तल सभागार में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह जानकारी उपायुक्त डॉ विरेन्द्र कुमार दहिया ने दी।

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

शाहाबाद मारकंडा, 15 मई (रूबी) : मंगलवार को घोषित हुए सीबीएसई के कक्षा 12वीं और 10वीं के परीक्षा परिणाम मे सतलुज स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह जानकरी देते हुए प्राचार्य डा. आरएस घुम्मन ने बताया कि वाणिज्य संकाय के छात्र साकेत ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय में टॉप किया। इसी तरह10वीं कक्षा के ही छात्र वंश सैनी ने भी 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया। मेधावी विद्यार्थियों को फूल माला पहनाकर व स्मृति चिंन्ह देकर सम्मानित किया गया। बच्चों की इस उपलब्धि पर स्कूल प्राचार्य डा. आरएस घुम्मन, एडमिनिस्ट्रेटर मनोज भसीन, उपप्रधानाचार्य सतबीर सिंह, ममता जैन, नीलम मेहता, काजल, दिनेश, अंजना, संजय बठला, अंकुश, मंदीप कुमार, पूजा, मंदीप कौर, साहिल, अनु अग्रवाल, अर्शदीप, राजबीर आदि स्टाफ सदस्यों ने बच्चों व उनके अभिभावकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया टीकाकरण

असन्ध, 15 मई (दलसिह मान) : राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम असंध ने छात्राओं को टीकाकरण किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम से मनजीत और सुशीला ने बच्चों को टिटेनस के टीके के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से टेटनस का टीका अनेक बीमारियों से बचाता है तथा इम्युनिटी पावर को बढ़ाता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि टेटनेस का टीका लगने से बुखार हो सकता है और थोड़ी बहुत सूजन भी आ सकती है, इसमें ज्यादा घबराने की कोई बात नहीं है। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य अजमेर सिंह सिंधु ने बच्चों को बताया कि हमें अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए अपने खान-पान का जरूर ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम का भी धन्यवाद किया। इस अवसर पर गौतम नायक, डॉ. भूपेंद्र सिंह ,मीना वर्मा, प्रवीन, रिम्पी, डॉ. शीशनपाल, राजेंद्र वर्मा, तिलकराज सहित अन्य स्टॉफ सदस्य उपस्थित रहा।

लाडवा में धूमधाम से मनाई जाएगी महर्षि कश्यप जयंती : बालकराम फौजी घोरगढ़

– प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे मुख्यतिथि

करनाल, 15 मई (रविन्द्र मलिक) : 23 मई को महर्षि कश्यप की जयंती लाडवा अनाज मंडी में धूमधाम से मनाई जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यतिथि होंगे। कार्यक्रम की

अध्यक्षता इंद्री से विधायक रामकुमार कश्यप करेंगे। महर्षि कश्यप जयंती को लेकर लोगों को निमंत्रण दिया जा रहा है। इस कड़ी में भाजपा के इंद्री मंडल महामंत्री बालक राम फौजी घोरगढ़ ने धूमसी में पहुंचकर लोगों को निमंत्रण दिया। मंडल महामंत्री इंद्री बालक राम फौजी घोरगढ़ ने कहा कि महर्षि कश्यप जयंती के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के संदर्भ में गांव-गांव जाकर लोगों को न्यौता दिया जा रहा है। उन्होंने कहा भारत संत और महात्माओं की धरती हैं। जिन्होंने अपने ज्ञान से पूरी मानवता को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है। बालक राम फौजी ने कहा कि हमें महर्षि कश्यप की जयंती को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। वहीं उन्होंने लोगों को संदेश देते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों को महापुरूषों के बारे में पढ़ाना चाहिए और महापुरुषों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर उनके दिखाए गए मार्ग पर चलकर मानवहित में कार्य करना चाहिए।

लिवासा अस्पताल ने एमएएसएलडी पर विस्तार से जानकारी दी

अमृतसर 15 मई (मधु राजपूत) लिवासा अस्पताल, ने अमृतसर में एमएएसएलडी (मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-संबंधित स्टिओटिक लिवर डिज़ीज): एक बढ़ती हुई स्वास्थ्य चुनौती विषय पर एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य एमएएसएलडी के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, रोग की समय रहते पहचान को प्रोत्साहित करना, और इसके उपचार में बहु-विषयी (मल्टीडिसिप्लिनरी) दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालना था। इस अवसर पर गैस्ट्रोएंटरोलॉजी क्षेत्र के कई वरिष्ठ विशेषज्ञों ने भाग लिया जिनमे डॉ. कंवलजीत सिंह, प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार, गैस्ट्रोइंटे स्टाइनल सर्जरी, लिवासा अस्पताल तथा , जिन्होंने हाल ही में लिवासा अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में अपनी सेवाएं आरंभ करने वाले डॉ. ईशान मित्तल, डीएम गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट शामिल थे।

डॉ. सिंह और डॉ. मित्तल ने एमएएसएलडी की जटिलताओं, इसके लक्षणों, कारणों और जीवनशैली से जुड़े कारकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में यह रोग तेजी से बढ़ रहा है और इसकी समय पर पहचान एवं उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। लिवासा अस्पताल की यह पहल समाज में एमएएसएलडी को लेकर सही जानकारी और रोकथाम के उपायों को फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. पवन कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लिवासा हॉस्पिटल्स ने कहा कि मएएसएलडी (मेटा बॉलिक एसोसिएटेड स्टीटोटिक लिवर डिज़ीज़) एक गंभीर और बढ़ती हुई स्वास्थ्य चुनौती है, विशेषकर शहरी भारत में, जहाँ मेटाबॉलिक विकारों की व्यापकता लगातार बढ़ रही है। लिवासा हॉस्पिटल्स में हमारी प्रतिबद्धता केवल उपचार तक सीमित नहीं है; हम जागरूकता बढ़ाने, प्रारंभिक जांच को प्रोत्साहित करने और समग्र लिवर केयर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हम उन्नत उपचार विधियों के साथ-साथ जनस्वास्थ्य शिक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। आज की चर्चा इस दिशा में सामूहिक प्रयास और जीवनशैली में बदलाव की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। लिवासा हॉस्पिटल्स, अमृतसर के उपाध्यक्ष श्री दिव्य प्रशांत बजाज ने कहा कि पंजाब में विशेष रूप से मेटाबॉलिक एसोसिएटेड स्टीटोटिक लिवर डिज़ीज़ (एमएएसएलडी) की बढ़ती व्यापकता, जन-जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता को दर्शाती है। लिवासा में हम उन्नत चिकित्सकीय विशेषज्ञता को सामुदायिक सहभागिता के साथ जोड़कर एक निवारक स्वास्थ्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक जांच, सटीक निदान और बहु-विषयक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देकर, हम लोगों को जटिलताओं से पहले ही अपने लिवर और मेटाबॉलिक स्वास्थ्य की ज़िम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाना चाहते हैं।

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (डीएम) विभाग में हाल ही में नियुक्त डॉ. ईशान मित्तल ने एक शैक्षणिक सत्र के दौरान मेटाबोलिक सिंड्रोम, मोटापा और डायबिटीज़ में हो रही चिंताजनक वृद्धि को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि ये सभी स्थितियाँ अब एमएएसएलडी से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। डॉ. मित्तल ने कहा, ष्हमारी जनसंख्या में एमएएसएलडी के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। यह केवल एक फैटी लिवर की स्थिति नहीं है, बल्कि यह मेटाबोलिक असंतुलन से गहराई से जुड़ी हुई है। इसका शीघ्र निदान अत्यंत आवश्यक है क्योंकि समय रहते जीवनशैली में बदलाव और उचित चिकित्सा देखभाल से लिवर की क्षति को रोका या पलटा जा सकता है।

स्वामी जी का जीवन यह संदेश देता है कि संत होना केवल ध्यान में बैठना नहीं है, बल्कि धरती से जुड़कर समाज की सेवा करना भी उतना ही आवश्यक है : लोकेश्वनन्द

हांसी, 15 मई (मनमोहन शर्मा) : आज हम एक ऐसे दिव्य पुरुष के जन्मदिवस पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर रहे हैं, जिनका जीवन संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा और सेवा का प्रतीक है—परम पूज्य स्वामी लोकेश्वरानंद जी महाराज। स्वामी जी का जन्म हरियाणा के हांसी क्षेत्र के निकटवर्ती एक छोटे से गाँव ढाणी राजू में हुआ। साधारण ग्रामीण परिवेश में जन्म लेकर भी स्वामी जी की दृष्टि प्रारंभ से ही असाधारण थी। मात्र 15 वर्ष की आयु में वे स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सान्निध्य में अध्ययन हेतु पहुँचे, जहाँ उनका जीवन साधना, सेवा और सनातन मूल्यों की ओर उन्मुख हो गया। जहाँ एक ओर सामान्य युवा जीवन की प्रारंभिक अवस्था में भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर आकर्षित होते हैं, वहीं स्वामी लोकेश्वरानंद जी ने अत्यंत कम उम्र में त्याग, तपस्या और आत्मिक उत्थान को अपना मार्ग चुना।

सेवा के पथ पर समर्पित जीवन

स्वामी जी ने हरियाणा सेवा समिति के माध्यम से अनेक समाजोपयोगी कार्यों में सहभागिता निभाई है। विशेष रूप से फीका पीर क्षेत्र में सिलाई सेंटर और जल सेवा जैसी योजनाएँ स्वामी जी की सेवा भावना का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। उनका जीवन मानवता, गौसेवा और भक्ति को पूर्णत: समर्पित है। वे प्रतिदिन ज्ञानानंद मिशन में रुद्राभिषेक का आयोजन करते हैं और स्वयं मंत्रोच्चार द्वारा भगवान शिव का पूजन करते हैं। यह अनुष्ठान केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि शांति, ऊर्जा और चेतना का अद्भुत संगम है, जहाँ श्रद्धालु तन-मन से जुड़ते हैं।

गौसेवा में भी अग्रणी

स्वामी जी की साधना केवल ध्यान और जप में नहीं, बल्कि प्रकृति और गौसेवा में भी अभिव्यक्त होती है। वे आज भी देशी गायों की सेवा स्वयं करते हैं—उन्हें चारा देना, गौशाला की साफ-सफाई, खेतों में स्वयं हल चलाना, यह सब उनके दैनिक जीवन का अंग है। उनका

मानना है कि गौसेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि संस्कृति और प्रकृति के संरक्षण का एक शक्तिशाली माध्यम है।

कर्मयोग का जीवंत स्वरूप

स्वामी लोकेश्वरानंद जी न केवल एक संत हैं, बल्कि कर्मयोगी भी हैं। उनका दिन प्रात: योग साधना से प्रारंभ होता है और फिर गौसेवा, पूजन, हवन और सत्संग में व्यतीत होता है। वे जहाँ भी जाते हैं, वहाँ सेवा, प्रेम और आदर के भाव से सभी का स्वागत करते हैं। उनका व्यक्तित्व सभी को अपनत्व का अनुभव कराता है।

जीवन का संदेश

स्वामी जी का जीवन यह संदेश देता है कि संत होना केवल ध्यान में बैठना नहीं है, बल्कि धरती से जुड़कर समाज की सेवा करना भी उतना ही आवश्यक है। एक साधारण गाँव से निकलकर असाधारण आध्यात्मिक ऊँचाइयों को प्राप्त करना—यह केवल तप, संयम और संकल्प के द्वारा ही संभव है।

उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना

इस पावन अवसर पर हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि स्वामी जी को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सेवा-साधना की निरंतरता प्रदान करें। किसी संत का जन्मोत्सव केवल एक पर्व नहीं होता, वह हमें अवसर देता है कि हम उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चल सकें, उनके ज्ञान को जीवन में उतार सकें। उनके द्वारा दिखाया गया सेवापथ हम सभी के जीवन को प्रकाशमय बनाए, यही सच्ची शुभकामना है।

राष्ट्रव्यापी मजदूर हड़ताल को सफल बनाने के लिए गांव निगदू में घर-घर चलाया प्रचार अभियान

निगदू, 15 मई (बलबीर रोजिया/राजेन्द्र कुमार) : आज के घटक संगठन जन संघर्ष मंच हरियाणा व उसके सहयोगी संगठन मनरेगा मजदूर यूनियन ने जिला करनाल के गांव निगदू की मजदूर बस्ती में आगामी 20 मई को होने वाली राष्ट्रव्यापी मजदूर हड़ताल के समर्थन में घर- घर जाकर पर्चा वितरण करके प्रचार अभियान चलाया और ग्रुप मीटिंग कीं ।प्रचार अभियान टीम का नेतृत्व मनरेगा मजदूर यूनियन के राज्य उप-प्रधान कामरेड राजेन्द्र बसतली ने किया । टीम में अन्य साथी जन संघर्ष मंच हरियाणा के राज्य प्रवक्ता कामरेड सोमनाथ, कामरेड सतपाल व बहादुर सिंह गुनियाना शामिल रहे। टीम ने मजदूरों को आगाह किया

कि मौजूदा मोदी सरकार ने मजदूरों के कानूनी अधिकारों पर हमला बोला हुआ है ।? मोदी सरकार ने जो नई श्रम संहिताएं बनाई हैं वे पूरी तरह मजदूर विरोधी हैं। ये संहिताएं पूंजीपतियों को मजदूरों का बेइंतहा शोषण दमन करने की प्रक्रिया को और भी तेज कर देंगी। सरकार निजीकरण व ठेकाकरण , कौशल रोजगार आदि जन विरोधी नीतियों को लागू करके स्थायी सरकारी रोजगार का रास्ता बंद करती जा रही है । इतना ही नहीं ग्रामीण मजदूरों को सौ दिन का गारंटीशुदा रोजगार देने के लिए मोदी सरकार ने पर्याप्त पैसा नहीं रखा है। इसकी वजह से मजदूरों को मनरेगा काम नहीं दिया जा रहा है। मनरेगा मजदूर यूनियन के राज्य उप-प्रधान कामरेड राजेन्द्र बसतली ने बताया कि अधिकांश सरपंचों का रवैया भी मजदूर विरोधी है। यदि मजदूर काम की डिमांड लेकर उनके पास जाते हैं तो वे डिमांड लेते ही नहीं हैं। दूसरी तरफ मेट भी काम के इच्छुक सभी मजदूरों का मस्टरोल में नाम नहीं निकलवाते हैं।

यह करके वे मनरेगा कानून का खुला उल्लंघन करते हैं। यह सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी 20 मई की मजदूर हड़ताल के दिन मनरेगा मजदूर ꣼ व जन संघर्ष मंच हरियाणा व मनरेगा मजदूर यूनियन के बैनर तले करनाल में प्रदर्शन करेंगे और श्रम मंत्री व ग्रामीण विकास मंत्री के नाम ज्ञापन भेजेंगे।

प्रचार टीम को निगदू के मनरेगा मजदूरों ने बताया कि कुछ दिन पहले ही उन्होंने गांव के तालाब में 8 दिन मिट्टी खुदाई का काम किया है। उस तालाब की मिट्टी अत्यंत कठोर थी। और यह बात मेट को पता थी और जेई आदि को भी बताई थी परंतु मजदूरों का पक्ष नहीं सुना गया। मजदूरों ने कड़ी धूप में सुबह से शाम तक काम किया परंतु दिहाड़ी मात्र 200 रुपए प्रतिदिन डालकर मजदूरों का शोषण किया है। मजदूरों ने यह भी बताया कि बहुत से मजदूर ऐसे हैं जिनकी काम की मांग दर्ज़ ही नहीं की जाती है। मेट मनमर्जी से मजदूरों के नाम मस्टरोल में निकलवाता है। सभी मजदूरों को जाब कार्ड की पुस्तिका भी नहीं दी गई है।? कार्यस्थल पर पीने के पानी की समस्या भी आई है। मजदूरों ने विक्षोभ जाहिर करते हुए यह भी बताया कि मजदूर परिवारों के मकान जर्जर हालत में हैं परंतु उन्हें ग्रामीण आवास योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है।? मजदूर महिलाओं ने बढ़ती शराब व अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर भी रोक लगाने की मांग की है। मजदूरों ने टीम को बताया कि वे 20 मई की मजदूर हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे।

प्रचार अभियान के दौरान मीटिंग में गांव निगदू के मजदूर - नीलम, परमजीत कौर, मीनाक्षी, बंतो, कमलेश, सुमन, सीमा, शिमला, रंजना, प्रीतो, बलेरी, सीमा रानी, महिंद्रो, रानी आदि ने भाग लिया।

3 दिवसीय निशुल्क नशा मुक्ति मेडिकल कैंप आयोजित

कैथल, 15 मई (प्रवेश बहादुर) : नशा मुक्ति अभियान तहत एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार 15 से 17 मई तक पुलिस व शाह अस्पताल कैथल के सहयोग से कलायत स्थित अम्बेडकर भवन में निशुल्क नशा मुक्ति मेडिकल केम्प का आयोजन किया गया। जो वीरवार को दोपहर 2 बजे कैंप का शुभारंभ डीएसपी कलायत ललित कुमार द्वारा किया गया। नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए मदद

चाहने वाले व्यक्तियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श की सुविधा भी दी गई। जो मौके पर डॉक्टर एम एस शाह, थाना कलायत एसएचओ एस आई जयभगवान, शाह अस्पताल से डॉक्टर आरिफ अब्दुला व डाक्टर संदीप व अन्य डाक्टरों की टीम तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस दौरान डीएसपी ललित कुमार ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा लगातार आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक किया जा रहा है। एएसआई ओमप्रकाश व एचसी सुनील की टीम विभिन्न स्थानों पर लगातार आमजन को जागरूक कर रही है।

पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत करवाना तथा नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है। नशा एक ऐसी बुराई है जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ-साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। पुलिस का उद्देश्य नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का है।

शाह हॉस्पिटल के सहयोग इस मेडिकल केम्प का आयोजन करने पर डीएसपी द्वारा डॉक्टर एम एस शाह का धन्यवाद किया गया। डीएसपी ने कहा की जो व्यक्ति नशा छोड़ना चाहता है।

कलायत में पनप रही अवैध कालोनी में रोड नेटवर्क को हटाया

कैथल, 15 मई (प्रवेश बहादुर) : जिला नगर योजनाकार रोहित चौहान ने बताया कि कलायत की राजस्व सम्पदा में एक अवैध कालोनी में अस्थाई सड़क नेटवर्क को जिला प्रशासन के सहयोग से तोड़ा गया। इस कार्रवाई के दौरान डीएमईओ अभिनव वालिया बतौर डयूटी मजिस्ट्रेट तैनात रहे। डीटीपी कार्यालय का अमला पुलिस बल के साथ अवैध कालोनी में पहुंचा और नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई। उन्होंने बताया कि कार्यालय के संज्ञान में कलायत की राजस्व सम्पदा में अवैध रूप से पनप रही कालोनी का मामला आया था, जिसके उपरांत कार्यालय द्वारा भूस्वामियों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस

जारी करके निर्माण विकसित करने के लिए जरूरी अनुमति प्राप्त करने वाले आदेश दिए गए थे। परंतु भू-स्वामियों द्वारा ना तो मौके पर बनाए जा रहे रोड नेटवर्क को रोका गया और न ही विभाग से किसी प्रकार की अनुमति के लिए आवेदन किया गया था। इस अवसर पर जिला नगर योजनाकार द्वारा आम लोगों को आगाह किया गया कि नियंत्रित क्षेत्र में निर्माण इत्यादि गतिविधियों को करने से पहले भूमि परिवर्तन हेतू अनुमति निदेशक, नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से प्राप्त कर लें। उन्होंने बताया कि शहर में अवैध निर्माणों व अवैध कालोनियों को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा। अवैध निर्माण करने वालों पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

छापेमारी में 5 जुआरियों से 16 हजार रुपए बरामद किए

हांसी, 15 मई (मनमोहन शर्मा) : जिला भर में अपराधों पर अंकुश लगाते हुए जुआ व सटा के खिलाफ चलाया जा रहे विशेष अभियान के दौरान स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने ताश के पत्तो द्वारा जुआ खेलते हुए 5 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार स्पेशल स्टाफ पुलिस को दौराने गश्त पड़ताल गुप्त सुचना मिली की कुछ गांव उमरा में ताश पत्तो के साथ जुआ खेल रहे है अगर फौरी तौर पर रेड कि जावे तो काबु आ सकते है। स्पेशल स्टाफ पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए टीम का गठन करके मौक पर जाकर दयानन्द पुत्र बीर सिंह, संदीप पुत्र महेन्द्र, मुकेश पुत्र रामभगत, राजा पुत्र भलेराम निवासीयान उमरा व राजेन्द्र पुत्र ठरका राम निवासी रोहनात जिला भिवानी को 16000/- रुपए सहित गिरफ्तार कर सभी के खिलाफ थाना सदर हांसी में जुआ अधिनियम के तहत अभियोग अंकित किया गया।

ब्लॉक समिति अध्यक्ष ने मेंबरों की ली मीटिंग

मूनक, 15 मई (जयभगवान) : खंड कार्यालय में गुरूवार को ब्लॉक समिति अध्यक्ष जितेंद्र संधू ने सभी ब्लॉक समिति मेंबरों की मीटिंग ली। जिसमें उन्होंने सालवन गांव में राज्य सतर पर होने वाली शिरोमणि महान योद्धा महाराणा प्रताप सिंह की जयंती पर आने की अपील की। उन्होंने कहा कि महान पुरुष एक जाति के नहीं होते वह सभी के हितों के लिए कार्य करते हैं। हमें किसी भी प्रकार के भेदभाव को मिटाते हुए भाईचारे का प्रतीक दिखाते हुए हमें महापुरुषों की जयंती मनानी चाहिए व उनके बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने बताया कि 29 मई को जयंती का कार्यक्रम होना था। परंतु पाकिस्तान की लड़ाई को देखते हुए इसको स्थागित कर दिया था। अब 29 मई को इसे मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हमारे शूरवीरों ने पाकिस्तान को दो दिन में ही बता दिया कि भारत देश अब किसी से पीछे नहीं है। इस दौरान सभी ब्लॉक समिति मेंबर मौजूद रहे।

सैन्ट ज्ञानेश्वर सीनियर सैकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

हांसी, 15 मई (मनमोहन शर्मा) : मालिया मण्डी में स्थित सैन्ट ज्ञानेश्वर सीनियर सैकेण्डरी स्कूल के मेधावी छात्रों ने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणामों में छात्रों ने अद्वितीय अंक प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता का परिचय दिया है। इस सत्र 2024-25 में 12वीं कक्षा के 42 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी जिसमें से 15 विद्यार्थियों ने मैरिट प्राप्त की तथा 24 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से पास हुए। इसमें स्कूल की छात्रा मोना ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। वहीं मुस्कान ने 90 प्रतिशत तथा कोमल ने 84 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

इन विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है विद्यालय के प्राचार्य सतीश वर्मा ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है। यह गौरव और प्रतिष्ठा हमारे छात्रों के निरन्तर प्रयास, अथक परिश्रम व सम्पर्ण से मिली है। यह पूरे विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। इन विद्यार्थियों ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है, बल्कि अन्य सह-पाठ्य क्रम गतिविधियों में भी सक्रिय रहे है। अच्छा विद्यालय पहुंचने पर इन सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का सम्पूर्ण शिक्षावर्ग, छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डीएलएसए द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए चलाया जा रहा है जागरुकता अभियान

कुरुक्षेत्र, 15 मई (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए, उनको उनके अधिकार बताने के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया है। सीजेएम नितिका भारद्वाज ने कहा कि डीएलएसए द्वारा एक टीम गठित की गई है। इस गठित टीम द्वारा गांव मछरेडी, नखरोजपुर, फलसंडा जाटान में दिव्यांग बच्चों के अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा उन्हें डीएलएसए द्वारा दिव्यांग जनों के लिए चलाई जा रही नालसा स्कीम की भी जानकारी दी गई। इस अभियान में डीएलएसए द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में भी जानकारी दी गई साथ ही नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई।

डीएलएसए द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में किया एंटी टीसिंग शिविर का आयोजन

कुरुक्षेत्र, 15 मई (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एंटी टीसिंग पर जागरूकता अभियान चलाए गए है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हिरमी में डीएलएसए द्वारा इस जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस शिविर में विद्यार्थियों को छेड़छाड़ को रोकने और बेटी को सम्मान देने के लिए जागरूक किया गया साथ ही उन्हें हेल्पलाइन नंबर 1091, 112 के बारे में भी जानकारी दी गई तथा उन्हें सेल्फ डिफेंस के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

खरीद एजेंसियों ने खरीदा 5 लाख 59 हजार 551 एमटी गेहूं : नेहा सिंह

कुरुक्षेत्र, 15 मई (सुदेश कुमार) : उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र के विभिन्न खरीद केन्द्रों और मंडियों में विभिन्न एजेंसियों द्वारा 5 लाख 59 हजार 551 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। इन खरीद केन्द्रों से 100 प्रतिशत लिफ्टिंग का कार्य पूरा किया गया है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बातचीत करते हुए कहा कि गेहूं के सीजन में खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा 3 लाख 26 हजार 496 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा है। इसके अलावा हैफेड ने 2 लाख 01 हजार 949 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर कारपोरेशन द्वारा 8 हजार 987 एमटी, प्राइवेट एजेंसियों द्वारा 22 हजार 119 एमटी गेहूं खरीदा है। उन्होंने कहा कि खादय आपूर्ति द्वारा 100 प्रतिशत, हैफेड द्वारा 100 प्रतिशत, हरियाणा वेयर कारपोरेशन द्वारा 100 प्रतिशत और निजी एजेंसियों द्वारा 100 प्रतिशत लिफ्टिंग का कार्य पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस जिले में अब तक 5 लाख 59 हजार 551 एमटी गेहूं खरीदा है, इसमें से 24 हजार 677 एमटी एफसीआई को डिलीवर किया गया है, 5 लाख 59 हजार 482 एमटी गेहूं की लिफ्टिंग की गई है।

हादसों को रोकने के लिए प्रशासन से सड़कों पर बलियां व गेहूं न डालने की फरियाद लगाई

कलायत, 15 मई (सूबे सिंह मोर) : कलायत में गेहू सीजन के दौरान सड़कों के बीचों-बीच डाले जा रहे गेहूं व अवशेषों से हादसे हो रहे हैं। इसमें कुराड़ गांव के रवि कुमार पिछले सप्ताह बुरी तरह से जख्मी हो गए। उन्होंने भविष्य में इस प्रकार के हादसों को रोकने के लिए प्रशासन से सड़कों पर बलियां व गेहूं न डालने की फरियाद लगाई। इस पर तुरंत प्रभाव से बुधवार को नगर पालिका सफाई सुपरवाइजर सोमप्रकाश शर्मा सड़कों का मुआयना करने पहुंचे। उन्होंने खुद सड़कों के बीच डाले गए गेहूं व इसके अवशेषो की सफाई की। रवि कुमार ने बताया कि गेहूं व अवशेषों का सड़कों पर डालना खतरे को न्यौता दे रहा है। बार-बार वाहन हादसों का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने इस दिशा में कार्यवाही व जागरूकता अभियान चलाने की मांग की।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का 12वीं कक्षा का परिणाम रहा शत-प्रतिशत

निगदू, 15 मई (बलबीर रोजिया/राजेन्द्र कुमार) : राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (1946) करनाल ने विगत वर्षों की भांति इस बार भी बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय का कक्षा बारहवीं का तीनों संकायों में परिणाम 100त्न रहा है। तीनों संकायों में कुल 87 छात्राओं में से 80 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं, जिनमें से 49 छात्राएं मेरिट में और 6 छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। विज्ञान संकाय में 500 में से 474 (94.8 प्रतिशत) अंक लेकर गुरलीन कौर प्रथम, कला संकाय में 500 में से 465 (93 प्रतिशत) अंक लेकर प्रीति और वाणिज्य संकाय में 500 में से 464 (92.8 प्रतिशत) अंक लेकर तरनदीप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छह छात्राओं ने 100 में से 100 अंक और 10 छात्राओं ने 90 से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मनदीप शर्मा ने सभी छात्राओं और स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने अभिभावकों को विद्यालय पर विश्वास रखने के लिए धन्यवाद दिया और छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर स्कूल स्टॉफ सदस्य मा. देवेंद्र सिंह, राजेश कुमार, यशपाल, मिनाक्षी, सरिता, रवि कुमार, नगरपालिका निसिंग के पार्षद राजपाल भोला, लब्बू जांगड़ा, कृष्ण सैन और छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे।

लिंगानुपात सुधार को लेकर समाज और प्रशासन मिलकर निभाएं नैतिक जिम्मेदारी : नेहा सिंह

कुरुक्षेत्र, 15 मई (सुदेश कुमार) : उपायुक्त नेहा सिंह ने अधिकारियों से लिंगानुपात सुधार को लेकर ईमानदारी से नैतिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में बेटा-बेटी का अनुपात असंतुलित है, वहां विशेष ध्यान दिया जाए। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीति के प्रति पूरी तरह से सतर्क और प्रतिबद्ध है। उन्होंने साफ किया कि लिंग परीक्षण व भ्रूण हत्या से जुड़े मामलों में संबंधित व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने दायित्वों का पालन न केवल प्रशासनिक बल्कि नैतिक स्तर पर भी करें। उन्होंने कहा कि कम लिंगानुपात वाले गांवों में महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पंचायत विभाग मिलकर समन्वय से कार्य करें ताकि ग्रामीणों को जागरूक किया जा सके। गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण से लेकर उनके स्वास्थ्य की निगरानी तक हर स्तर पर सतर्कता बरती जाए। उन्होंने ग्राम पंचायतों से भी अपेक्षा की कि वे अपने स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाएं और समाज को बेटा-बेटी के बीच कोई भेद न करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने ब्वेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओज् योजना को और अधिक प्रभावशाली बनाने की बात करते हुए कहा कि बेटियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर दिए जाएं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया जाए, इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि लिंगानुपात सुधार केवल सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि बेटियों के जन्म से लेकर शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान तक हर स्तर पर समानता सुनिश्चित की जानी चाहिए। लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराधों को रोकने के लिए सभी वर्गों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

समाधान शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं का हो रहा निदान : सुरेश कुमार

रतिया, 15 मई (अमन सेठी) : प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों का समय पर समाधान करने में समाधान शिविर एक अच्छी पहल साबित हो रहे हैं। वीरवार को एसडीएम सुरेश कुमार की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि शिविर में आने वाली शिकायतों की अपडेट रिपोर्ट समाधान पोर्टल पर अपडेट की जा रही है। इस अवसर पर समाधान शिविर में पुलिस विभाग से संबंधित 2, नगरपालिका से संबंधित 2, डीएचईओ कार्यालय से संबंधित एक व समाज कल्याण पेंशन एक कुल 6 शिकायत प्राप्त हुई, इनके निवारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को अविलंब समाधान करने के निर्देश दिए। एसडीएम सुरेश कुमार ने नागरिकों की शिकायतें सुन समाधान के लिए भेजते हुए अधिकारियों को कहा कि अधिकारी शिविर में आने वाली शिकायत पर तुरंत कार्यवाही करते हुए इनका समाधान करवाएं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे सोमवार व वीरवार को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन द्वारा उपमण्डल स्तर पर प्रत्येक कार्य दिवस में आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक लिखित शिकायत लेकर आएं। इस अवसर पर डीएसपी नर सिंह, बीडीपीओ हनीश कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गुरु गोरखनाथ जयंती पर सोनीपत में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम, मुख्यमंत्री नायब सैनी होंगे मुख्य अतिथि

सोनीपत, 15 मई (विनोद) : गुरु गोरखनाथ जयंती के अवसर पर 18 मई को सोनीपत की नई अनाज मंडी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एसडीएम सुभाष चंद्र व नगराधीश डॉ. अनमोल ने आज अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल का दौरा किया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को बिजली, पानी, शौचालय, सफाई तथा शैड की व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, एसडीएम ने जोगी समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर बैठने की व्यवस्था, मुख्य मंच, पार्किंग आदि से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की। निरीक्षण के अंत में हैलीपैड स्थल का भी जायजा लिया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस श्री गौरव, डी आई पी आर ओ राकेश गौतम, मार्केट कमेटी सचिव ज्योति दहिया, कैप्टन सुभाष चंद्र, चरण सिंह जोगी, जोगी समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति व संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शहीद सुखदेव थापर को श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुए वक्ताओं ने कहां कि शहीदों के कारण आज आजादी से हम सॉस ले रहे हैं

हांसी, 15 मई (मनमोहन शर्मा) : शहीद भगत सिंह संगठन समिति के प्रधान सरदार कृष्ण ईलावादी की अध्यक्षता में वीरवार को अमर शहीद सुखदेव थापर की 118वीं जयन्ती बजरंग आश्रम में किशोरी लाल नागपाल के नेतृत्व में श्रद्धा पूर्वक मनाई। कार्यक्रम में पहुँचे लोगों ने शहीद सुखदेव थापर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये तथा शहीद सुखदेव थापर अमर रहे के गगनभेदी नारे लगाए तथा 2 मिनट का मौन रखकर शहीद की आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की। मुख्य अतिथि के रूप में सरदार राजू बत्रा ने शिरकत की। वही उनके साथ नगर परिषद् के चेयरमैन प्रवीण ईलावादी भी उपस्थित थे। प्रधान स. ईलावादी ने कहा कि इन शहीदों की वजह से आज हम ठण्डी आजादी की हवा में सांस ले रहे है और अपना जीवन जी रहे है तथा भारत की सीमाओं पर जो सैनिक दिन-रात तैनात है और उनकी वजह से हम अपने घरों में रात को चैन से सो पा रहे है। राजू बत्रा मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश की आजादी के लिए सुखदेव थापर ने जिस उम्र में शहादत दी वह अतुलनीय है मैं उनकी माताओं को प्रणाम करता हूं। इस अवसर पर हंसराज खेत्रपाल, कंवल किशोर शास्त्री, हमेश खुराना, प्रधान शर्मा मल्होत्रा, प्रधान सुमन भाटोल, पूनम तनेजा, चेयरमैन प्रवीण ईलावादी, हरबंस नागपाल, डॉ. मुन्ना अरोड़ा, फतेह सिंह गुर्जर, अजय भारद्वाज, सन्नी नायक, रामसरूप खट्टर, रमेश चुघ, फौजी जोगी राम, फौजी प्यारे लाल, संजय मुंजाल, राजकुमार, ओमप्रकाश मुंजाल, प्रेम गुलाटी, देसराज सोनी, हरीश ईलावादी, मदन कथूरिया, हरीश गंगवानी, कश्मीरी लाल ग्रोवर, रामधन ठकराल, जगन्नाथ चैपड़ा, हप्पी गंगानगर, जितेन्द्र गिल आदि मौजूद थे।

जिला की मंडियों में 8 लाख 13 हजार 410 मीट्रिक टन गेहूं की आवक

करनाल, 15 मई (सुनील कुमार) : उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला की मंडियों में गेहूं की आवक निरंतर जारी है। मंडियों में गेहूं की आवक के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए गए थे और मंडी में खरीद व्यवस्था सुचारू ढंग से चल रही है। उन्होंने बताया कि बुधवार तक जिला में करीब 8 लाख 13 हजार 410 मीट्रिक टन गेहूं की आवक विभिन्न परचेज सेंटरों व मंडियों में हुई जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 453663 मीट्रिक टन तथा हैफेड द्वारा 334516 मीट्रिक टन व हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 25231 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। मंडियों से गेहूं उठान तुरंत करवाने के आदेश खरीद एजेंसी को दिए गए है।

श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल का 12वीं का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

यमुनानगर, 15 मई (दिनेश कुमार) : हर बार की भांति इस बार भी श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल सी बी एस ई बोर्ड 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम सत प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम घोषित होते ही स्कूल में खुशी की लहर दौड़ गई एक और जहां अध्यापकों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा वहीं बच्चे अपने अध्यापक को और एक दूसरे को मिठाई खिलाते हैं देखे गए। बच्चे खुशी के मारे झूम रहे थे कक्षा 12वीं की आर्ट में पल्लवी ने 95 प्रतिशत हेरी ने 84 प्रतिशत मेडिकल में खुशी शर्मा ने 83.4 प्रतिशत खुशी ने 80.6 प्रतिशत नॉन मेडिकल में ख्वाहिश दाबदा ने 84.6 प्रतिशत कॉमर्स में जास्मीन ने 83 प्रतिशत तेजस्वी ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपना है अपना अपने अभिभावकों का और अपने स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल प्रबंधक महिपाल राणा ने बच्चों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की और कहा कि स्कूल का अच्छा परीक्षा परिणाम लाने के लिए स्कूल के अध्यापकगंण का अहम योगदान रहा।

समय-समय पर सफाई कर्मचारियों का सरकार रखती है ध्यान : अजीत कुमार

नीलोखेड़ी, 15 मई (दर्शन शर्मा) : सरकार के आदेशानुसार नगरपालिका नीलोखेड़ी सचिव अजित कुमार व प्रधान सनमीत कौर आहूजा द्वारा सफाई कर्मचारीयों को साबुन और तेल वितरित किए गया मार्च, अप्रैल, मई तीन महिने का तीन लीटर तेल और 12 साबुन दिया गया नगर पालिका प्रधान सनमीत कौर आहूजा ने कहा कि सुबह से ले कर शाम तक नगरपालिका सफाई कर्मचारी पूरे शहर को साफ सुथरा रखते है।

इसी तरह सरकार भी सफ़ाई कर्मचारियों का पूरा ध्यान रखती है और समय समय पर घर में जरूत होने वाला समान देती रहती है नीलोखेड़ी नगरपालिका सचिव अजीत कुमार ने शहर वासियों से अपील की कि गिला व सूखा कूड़ा अलग अलग रखे। एवं अपने आस पास कूड़ा इकठा न होने दे सब मिल जुल कर अपने शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने में नगरपालिका का एवं सफाई कर्मचारियों का साथ देवे। इस मौके पर सभी नगरपालिका सफाई कर्मचारी सचिव अजीत कुमार, नगरपालिका प्रधान सनमीत कौर आहूजा शामिल हुए।

फ्रॉड करने वालों चोरों से रहें सावधान : सुदेश देवी

नीलोखेड़ी, 15 मई (दर्शन शर्मा) : गांव डाबरथला में महिला एवं बाल विकास विभाग से सीडीपीओ डॉ राजबाला मोर के दिशा निर्देश में सुनीता देवी की आंगनवाड़ी में आंगनवाड़ी सुपरवाइजर सुदेश ने एक मीटिंग ली।जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में बातचीत करते हुए आजकल फ्रॉड केसों की बढ़ती हुई संख्या के बारे में चिंता जताते हुए महिलाओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आजकल बहुत सी महिलाएं किसी न किसी लालच में आकर चोरो की कही हुई बातों के धोखे में आ जाते है। बाद में पछताना पड़ता है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/एफ एस उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी। भारत के राष्ट्रपति की ओर से 02 वर्षों की अवधि के लिए अंबाला मंडल में विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में ब्रेक वैन के एसएलआर/एसएलआरडी कम्पार्टमेंट में पार्सल स्पेस (4 एमटी/3.9 एमटी) को पट्टे पर देने के अनुबंध के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट पर ई-नीलामी लीजिंग के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। निम्नलिखित विवरणानुसार, निविदा आमंत्रित की जाती हैं:

क्र0 सं0	नीलामी केटलाग सं.	नीलामी शुरू होने की दिनांक एवं समय	नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय
1	UMB-SLR-05-25 (26 lots)	30.05.2025 / 11:00	30.05.2025 / 15:40
2	UMB-SLR-06-25 (04 lots)	02.06.2025 / 12:00	02.06.2025 / 13:00

Auction Catalogue No. & Train Details

UMB-SLR-05-25 (26 lots)

1. 12450 (FSLR-I, RSLR-I), 2. 14218 (FSLR-II, RSLR-I), 3. 14242 (FSLR-I, FSLR-II & RSLR-I), 4. 14522 (FSLR-I, FSLR-II & RSLR-I), 5. 14524 (FSLR-I, FSLR-II & RSLR-I), 6. 22452 (FSLR-I, RSLR-I), 7. 15904 (RSLR-I), 8. 12326 (RSLR-I), 9. 12218 (RSLR-I), 10. 12556 (RSLR-I), 11. 22356 (RSLR-I), 12. 19308 (FSLR-I, RSLR-I), 13. 20494 (FSLR-I, RSLR-I), 14. 15012 (FSLR-I), 15. 12232 (FSLR-I)

Auction Catalogue No. & Train Details

UMB-SLR-06-25 (04 lots)

1. 19412 (FSLR-I, FSLR-II & RSLR-I), 2. 14218 (FSLR-I)

ई नीलामी-में भाग लेने या ई जानकारी अन्य किसी संबन्धित से नीलामी-, जैसे कि एक पंजीकरण बार-एस0बी0आई0 चालू खाते को आई0आर0ई0पी0एस0 से जोड़ने, पुनग्रहणाधिकार राशि को चिन्हित करने, इत्यादि हेतु, भावी बोलीदाताओं को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। **1430/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कुरुक्षेत्र के लगभग 135 प्राइवेट स्कूलों का प्ले-वे स्कूल के लिए किया जाएगा पंजीकरण : बलजीत कौर

कुरुक्षेत्र, 15 मई (सुदेश कुमार) : महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर ने कहा कि राज्य सरकार के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र में लगभग 135 प्राइवेट प्ले-वे स्कूल चल रहे है। इन सभी स्कूलों को नियमानुसार अपना पंजीकरण करवाना होगा। इन स्कूलों के प्रबंधकों को सरकार की शर्तों के अनुसार 20 मई 2025 तक तमाम दस्तावेज जमा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में जमा करवाने होंगे। जिला कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर ने जारी प्रेस ब्यान में कहा है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार जिला में चल रहे प्राइवेट प्ले स्कूलों का पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग,पंचकूला, हरियाणा निदेशक के पत्र द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास को प्राइवेट प्ले स्कूल के पंजीकरण के लिए सक्षम अधिकारी बनाया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के तहत 3-6 वर्ष के बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ शर्ते भी निर्धारित की गई है।

सभी स्कूलों को निर्धारित मापदंडों को पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की शर्तो के अनुसार प्ले स्कूल की एक कक्षा में 20 बच्चे रखना अनिवार्य है,प्ले स्कूल में 20 बच्चों पर एक शिक्षक व एक केयरटेकर होना अनिवार्य है,सोसायटी ट्रस्ट रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, जमीनी दस्तावेज, बिल्डिंग, फायर सेफटी, नक्शा व सी.ए. रिपोर्ट आदि होना अनिवार्य है,प्ले स्कूल के स्टाफ का कोई भी अपराधिक रिकॉर्ड न हो,प्ले स्कूल की मान्यता के लिए खेलकूद गतिविधियों के लिए प्लेग्राउंड होना अनिवार्य है,प्ले स्कूल के पूर्ण परिसर में सी.सी.टी.वी. कैमरे होना अनिवार्य है।

सभी शिक्षक व पूरे स्टाफ की जानकारी व पुलिस वेरिफिकेशन जरुरी होनी चाहिए,पेरेंट्स टीचर एसोसिएशन का गठन भी अनिवार्य है,आपदा व अग्नि सुरक्षा हेतू स्कूल में उचित प्रबंध होना अनिवार्य है,लड़कों व लड़कियों के लिए चाइल्ड फ्रेंडली शौचालय का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधकों को 20 मई 2025 तक प्ले स्कूल का आवेदन राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार पूर्ण कागजात सहित जिला कार्यक्रम अधिकारी, कुरुक्षेत्र के कार्यालय में जमा करवांए।

यदि कोई प्ले स्कूल राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की हिदायतों के प्रति अवहेलना करता है तो उस प्ले स्कूल को गैर-पंजीकृत कर दिया जाएगा। प्ले स्कूल के लिए एन सी पी सी आरडॉटजीओवीडॉटइन पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते है।

योजना के तहत समरसता अंतर्जातीय विवाह शगुन योजना के तहत 25 जोड़ों को चेक वितरित

पानीपत, 15 मई (हरप्रीत छतवाल) : मेयर कोमल सैनी ने वीरवार को अंत्योदय भवन में मुख्यमंत्री सामाजिक समरसता अंतर्जातीय विवाह शगुन योजना के तहत 25 जोड़ों को चेक वितरित किए।

उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों से अपील की कि सरकार द्वारा दी गई इस सहायतार्थ दी गई राशि को बच्चों की शिक्षा पर लगाएं। उन्होंने कहा कि यह योजना समाज में समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करना और बेटियों की शादी में आर्थिक चिंताओं को कम करना है।

हरियाणा सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों की बेटियों और दिव्यांगजन की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से यह शगुन योजना संचालित की जा रही है।

यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है।

जिला कल्याण अधिकारी जयपान हुड्डा ने जानकारी देते हुए बताया कि अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग की ओर से यह योजना चलाई गई है। इस योजना के तहत हरियाणा राज्य के स्थाई निवासी अनुसूचित जाति के लडक़ा/लडक़ी से गैर अनुसूचित जाति के लडक़ा/ लड़की द्वारा विवाह करने पर अनुसूचित जाति के लडक़ा/लडक़ी अपने गृह जिले में अपना फार्म भरकर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

उस जोड़े को ढाई लाख की राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाती है। जिसमें से 1 लाख 25 हजार संयुक्त रूप से खाते में तथा 1 लाख 25 हजार की एफडी 3 साल के लिए दी जाती है। आवेदन प्रक्रिया के लिए प्रार्थी को हरियाणा सरकार की ऑनलाइन वेबसाइट सरल हरियाणा डॉटजीओवीडॉटइन पर अपना आवेदन अपलोड करना पड़ता है।

वंशिका बनी हैड गर्ल और अभिनव बने हैड ब्वॉय

शाहाबाद मारकंडा, 15 मई (रूबी) : डिवाइन पब्लिक स्कूल के परिसर में एक भव्य अलंकरण समारोह संपन्न हुआ। इसमें मुख्य अतिथि स्कूल प्रबंधक डॉ गुरदीप सिंह हेयर रहे। समारोह में विधार्थी परिषद का गठन किया गया। इसमें विधालय के चारों सदनों महाराजा रणजीत सिंह सदन, हरि सिंह नलवा सदन, भगत सिंह सदन और महाराणा प्रताप सिह सदन से कैप्टन, वाइस कैप्टन, प्रिफेक्ट और डिसिप्लिन इंचार्ज नियुक्त किये गए और उन्हें पद ग्रहण करवाया गया। स्कूल प्राचार्या राजिन्द्र खुब्बड एवं उपप्राचार्य मनीश मलिक ने चुने हुए सदस्यों को कर्तव्य, निष्ठा व अनुशासन में रहकर कार्य करने की शपथ दिलायी। उन्होंने चुने हुए विधार्थियों को शैषे पहनाए व बैज लगाकर स्कूल फ्लैग दिए। प्राचार्या राजिन्द्र खुब्बड ने बताया कि कक्षा बारहवी साईस स्ट्रीम की छात्रा वंशिका को हैड गर्ल और कक्षा 12वी साईस के छात्र अभिनव को हैड ब्वॉय चयनित किया गया। जबकि इंतजार वाइस हैड ब्वॉय और मिष्ठी वाइस हैड गर्ल चुनी गई। समारोह में मंच संचालन की भूमिका हरकंवल कौर और नेहा गुप्ता ने निभाई। महाराजा रणजीत सिंह सदन से देवांश को कैप्टन, मनकिरत कौर को वाइस कैप्टन, एंजल को डिस्पिलिन इन्चार्ज, प्रिफैक्ट परमित, वैष्णों, अर्णव डंग, भार्गव, परिधि, कुणाल, महाराणा प्रताप सदन से सृष्टि को कैप्टन, ओंकार को वाइस कैप्टन, डिस्पिलिन इंचार्ज में लंक्षिता, सृष्टि, प्रिफैक्ट में नमिक, गुरकिरत, दृष्टि, युवराज, गुरनूर भोला, हर्षिता चयनित किए गए। हरि सिंह नलवा सदन से वाणी कैप्टन, प्रियाश वाइस कैप्टन, डिस्पिलिन इंचार्ज में जैनिश और मनमीत, प्रिफेक्ट में एकमजीत, मनकिरत, गर्विता, ख्याति, युवराज और कार्तिक रहे। भगत सिंह सदन से अंश्मन कैप्टन और हरसिमरजीत कौर वाइस कैप्टन, डिस्पिलिन इन्चार्ज में हरसिमरन कौर, एकमप्रीत कौर, प्रिफैक्ट में जोरावर, गुरनूर, समर, सुखनीत, तेज प्रताप चयनित किये गए। स्कूल के प्रबंधक, प्राचार्या और उपप्राचार्य ने सभी सदनों से चयनित हुए विधार्थियों को बधाई दी और अपने कर्तव्यों को निष्ठा से पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल परिसर में समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

डा. अनिल मलिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

फरीदाबाद, 15 मई (ब्यूरो) : सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नंबर एक द्वारा संचालित डा. अनिल मलिक श्री सनातन धर्म महाबीर दल सीनियर सैकेडरी स्कूल का बारहवीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। परिक्षा में प्रेंशी ने पहला, नीतू ने दूसरा और संदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा प्रिंस, अमन, कोमल, गुंजन, रचना, आशीष, दीपक, विजय यादव, अमित ने भी बेहतर अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। बच्चों द्वारा बेहतर परिणाम हासिल करने पर मंदिर व स्कूल के प्रधान डा. राजेश भाटिया ने सभी बच्चो को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन का आधार होती है और डा. अनिल मलिक स्कूल का उद्देश्य वाजिब दामों पर बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाना है और विद्यालय अपने इस लक्ष्य को पूरा भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि अच्छे अंक लाने वाले बच्चे भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़े और अपना और अपने परिवार का नाम रोशन करे। विद्यालय का शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम आने पर डा. राजेश भाटिया ने नीतू भाटिया क्लास टीचर, एस.एस.टी की टीचर सुमन अरोड़ा, हिंदी टीचर नीलम सचदेवा, अकाउंट्स टीचर विकास शर्मा, अंग्रेजी टीचर संदीप कौर, गणित टीचर रेखा जोहरा, प्रिंसिपल निशि अदलखा व सोनिया अरोड़ा को भी बधाई दी और उनके प्रयास की भी जमकर सराहना की। इस मौके पर नेहा चौहान, इंदु देशवाल, अशोक बैंसला, मोनिका शर्मा, शोभा शर्मा, मान्या रतड़ा, अनु भाटिया, परवेश भाटिया, रजनी खस, हर्षिता, चाहत, नीतू, सुनीता गागर, सीमा भाटिया, रेखा वाधवा, शालू अरोड़ा अन्य अध्यापक व अध्यापिकाएं मौजूद रही।

सीएम फ्लाइंग ने किया फायर ब्रिगेड कार्यालय का निरीक्षण

यमुनानगर, 15 मई (संजीव कुमार) : यमुनानगर सीएम फ्लाइंग टीम द्वारा आज यमुनानगर फायर ब्रिगेड कार्यालय का निरीक्षण किया गया। यहां का स्टाफ, गड़ियों और खपत के बारे में जानकारी हासिल की। फायर अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि सीएम फ्लाइंग द्वारा यह निरीक्षण किया गया। इस दौरन रजिस्टर चेक किए गए हैं, गाडी चेक की गई। स्टाफ के बारे में जानकरी हासिल की गई। उनको बताया कि उनके पास 39 गाड़ियां हैं 82 का स्टाफ है। यह जानकरी उनको उपलबध करवायी गई है। फायर ऑफिसर ने बताया कि जितनी भी आग लगने की घटनाएं होती हैं उसमें 75% इंसानी गलती से होती हैं, जिसे टाला जा सकता है, यह लापरवाही होती है। उनको कहा कि आजकल लगने की घटनाएं बढ़ जाती है इसलिए विभाग को अलर्ट रखा गया है ताकि कहीं भी जरूरत पड़े तो गाड़ी तुरंट पहुंच जाए। इसीलिये यमुनानगर के विभिन्न ब्लॉकों में गाड़ियां खड़ी की गई हैं।

कुरलन के सरपंच को पितृ शोक

मूनक, 15 मई (जयभगवान) : खंड मूनक के गांव कुरलन के सरपंच के पिता की बीमारी के कारण बुधवार को मृत्यु हो गई।

सरपंच प्रदीप कुमार ने बताया कि उनके पिता 74 वर्ष के हो गए थे। कई दिनों पहले अस्पताल में दाखिल थे।

वहीं उनकी तबीयत बिगड़ने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। वह एक सामाजिक व्यक्ति थे। सामाजिक काम के लिए सदा आगे रहते थे। वह पी एल डी बी बैंक के असंध के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके पार्थिक शरीर को गांव में ही संस्कार किया गया।

परिवार उनकी कमी को कभी भी भूल नहीं कर सकता।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया

शाहाबाद मारकंडा, 15 मई (रूबी): आइंस्टीन इंटरनेशनल स्कूल द्वारा एक निजी रिजॉर्ट में परिवार दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन में छात्रों के अभिभावकों के साथ दादा-दादी ने एकत्रित होकर एक यादगार दिन बिताया। सबसे पहले ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को याद किया। स्कूल के

अध्यक्ष देवेंद्र सिंगला ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस की बधाई दी और बच्चों को परिवार में बड़ों की भूमिका के बारे में समझाया। उन्होंने बच्चों को बड़ों का आदर करने की शिक्षा दी और सभी को परिवार में मिलजुल कर रहने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इनमें नृत्य, संगीत और स्कूल आर्केस्ट्रा ग्रुप द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां शामिल थीं। स्कूल की निदेशक दीपाली सिंघल ने अपने संबोधन में कहा कि परिवार दिवस का उद्देश्य परिवार के महत्व को समझाना और परिवार के बंधनों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि जब परिवार एक साथ आते हैं, तो वे एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव, ज्ञान और प्रेम को सांझा कर सकते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की तस्वीर केंद्रीय सिख अजायब घर में लगाने का फैसला सराहनीय : गुरविंदर कौर

निसिंग, 15 मई (जोगिंद्र सिंह) : कांग्रेस नेत्री गुरविंदर कौर चावला ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की सराहना की, जिसमें उन्होंने डॉक्टर मनमोहन सिंह की तस्वीर केंद्रीय सिख अजायब घर (श्री अमृतसर साहिब) में लगाने का फैसला किया है। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह बहुत बड़ी शख्सियत थे। डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान बहुत बड़े-बड़े फैसले लिए व देश को एक नई राह पर चलाया व नई दिशा प्रदान की, जिस पर आज भी फ़खर महसूस होता है। उन्होंने बताया कि जिस दिन डॉक्टर मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री बने थे। उस दिन हर सिख ने मान महसूस किया था ओर पूरी दुनिया में सिख कौम का सर ऊंचा हुआ था। डॉ. मनमोहन सिंह जब भी विदेश दौरे पर जाते थे उस देश में बसे हुए सिख अपनी पगड़ी पर मान महसूस करते थे ओर डॉ. मनमोहन सिंह के स्वागत के लिए पहुंचते थे। जत्थेदार चरणजीत सिंह टक्कर ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी व पूरी आंतरिक कमेटी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जिस दिन डॉक्टर मनमोहन

सिंह की तस्वीर केंद्रीय सिख अजायब घर (श्री अमृतसर साहिब) में लगाई जाए उस दिन बड़ा समागम कर देश-विदेश से सिखों को बुलाने का निमंत्रण दिया जाएगा।

अधिकारी जन समस्याओं की तह में जाकर करें स्थाई समाधान : एसडीएम राजेश खोथ

हांसी, 15 मई (मनमोहन शर्मा) : संयुक्त कार्यालय परिसर में लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं के समाधान हेतु शिविर का आयोजन किया गया। इसमें एसडीएम राजेश खोथ ने जन समस्याओं को सुना। समाधान शिविर में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। खोथ ने लोगों की समस्याओं को सुनते हुए कहा कि जन समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शुमार है। इस उद्देश्य को लेकर प्रत्येक सोमवार तथा वीरवार को समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में लोग अपनी समस्याओं के समाधान को लेकर आ रहे हैं। प्रस्तुत लगभग सभी शिकायतों एवं समस्याओं का समाधान मौके पर ही करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों का समाधान मौके पर होना संभव नहीं उनके लिए संबंधित अधिकारियों को त्वरित आधार पर समाधान करने बारे निर्दिष्ट दिए जा रहे हैं। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जन समस्याओं के समाधान के लिए उनकी तह में जाकर स्थाई समाधान करना सुनिश्चित करें ताकि लोगों को लंबे समय तक राहत प्रदान हो सके। उन्होंने ने बताया कि आयोजित समाधान शिविर में ज्यादातर समस्याएं परिवार पहचान पत्र व आधार कार्ड में त्रुटियां ठीक करवाने को लेकर ही रखी गई है। इस अवसर पर तहसीलदार अनिल कुमार बिढान,एसडीएम कार्यालय से अधीक्षक धर्मवीर सिंह, प्रवाचक संतोष कुमारी सहित तमाम विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गांव प्यौंत में टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत कैंप का आयोजन

निसिंग, 15 मई (जोगिंद्र सिंह) : क्षेत्र के गांव प्यौंत में टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप सिविल सर्जन करनाल के आदेश अनुसार व वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निसिंग के मार्गदर्शन में किया गया इस दौरान वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक सुनील ढांडा ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम पूरे हरियाणा प्रदेश में किए जा रहे है, बताया की यह कैंप 90 दिन के शिविर के कार्यक्रम के माध्यम से अलग-अलग जगह पर किए जा रहे हैं। इस कैंप के माध्यम से लोगों को टी.बी. जैसी बीमारी के बारे में जागरूक करना और मौके पर ही संभावित लोगों का फ्री में चेकअप करना प्रमुख उद्देश्य है। इस कैंप में संभावित टी. बी .मरीजो के 100 एक्स-रे किए गए और साथ ही बलगम की जांच के लिए सैंपल भी लिए गए उन्होंने बताया की भारत को टी.बी. मुक्त करने के लिए सभी पंचायतो को इसमें सहयोग करने की आवश्यकता है । टी.बी. बीमारी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है इसका पूर्ण और पक्का इलाज है। टी .बी . रोगी को इलाज के दौरान प्रतिमाह पौष्टिक आहार के लिए धन राशि भी दी जाती हैं जो की डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक अकाउंट में जमा किए जाती हैं । इस मौके पर भी डॉ.विकास सरोहा ने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य संबंधी चेकअप के लिए कैंप समय-समय पर किए जाते रहते हैं जिससे कि समाज में जागरूकता बड़े और लोगों को अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में समय रहते पता चल सके ताकि भविष्य में उनको किसी बड़ी बीमारी का खतरा न हो। इस मौके पर ए.एन.एम चन्द्रकान्ता, मीना व आशा वर्कर मौजूद रही।

ठंडे-मीठे पानी की छबील लगाकर बुझाई राहगीरों की प्यास

शाहाबाद मारकंडा, 15 मई (रूबी) : गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण कृपा जिओ गीता परिवार द्वारा देवी मंदिर रोड पर मेंन बाजार में ठंडे-मीठे पानी व जलजीरे की छबील लगाई गई। पूर्व नपा प्रधान बलदेवराज चावला ने कहा की स्वामी ज्ञानानंद महाराज पवित्र पुराण गीता को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। पूर्व पार्षद ललित भार्गव ने कहा की प्यासे की प्यास बुझाने से बड़ा कोई पुण्य का कार्य नहीं है। इस मौके पर राजू सपरा,ज्ञान प्रजापत, देविंद्र शर्मा, राजेंद्र बतरा सहित सदस्य मौजूद थे।

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा

वरिष्ठ मंडल अभियंता-समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जो कि उन कार्यों के सामने दी गई तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (₹)	अग्रिम राशि (₹)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1.	एडीईएन/आरपीजे के अधीन आरपीजे-डीयूआई मार्ग पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 8-सी और यूएमबी-एलडीएच मार्ग पर एल.सी. संख्या 147 एसपीएल, 159 एसपीएल और एल. सी. संख्या 163 एसपीएल पर रबरयुक्त सतह।	₹66,01,813/-	₹1,32,000/-	04 महीने	06.06.2025
2.	एडीईएन/एसआईआर के अधीन एसएसई/पी.वे./एनएलडीएम और एसएसई/पी.वे./एसआईआर सेक्शन में एमआरएनडी-डीएलपीसी मार्ग पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 46-सी, 49-सी, 60-सी, 61-ए, 72-बी और 91-बी, एसआईआर-एमआरएनडी सेक्शन पर एलसी 4-बी और एडीईएन/एसआईआर के अधीन एसएसई/पी.वे./एनएलडीएम और एसएसई/पी.वे./एसआईआर सेक्शन में एनएमडीए-एसएनएल सेक्शन पर एलसी 17-सी पर रबरयुक्त सतह उपलब्ध कराकर लेवल क्रॉसिंग में सुधार।	₹1,10,39,097/-	₹2,05,200/-	06 महीने	06.06.2025
3.	एडीईएन/एसआरई अनुभाग में लेवल क्रॉसिंग संख्या 84,89,97,2सी, 538 और 539 पर रबरयुक्त सतह उपलब्ध कराकर लेवल क्रॉसिंग में सुधार।	₹1,08,20,156/-	₹2,04,100/-	06 महीने	06.06.2025
4.	सीनियर डीईएन/I/यूएमबी के अधीन एडीईएन/सीडीजी और एडीईएन/यूएमबी के अधीन एसएसई/पी-वे/एसएएसएन और एसएसई/पी-वे/यूएमबी के खंड में (1) एडीईएन/सीडीजी और एडीईएन/यूएमबी के अधीन टीआरआर (पी) 8.517 किमी (2) यूएमबी और डीओकेवाई यार्ड में एसएसई/पी-वे/यूएमबी के खंड में सीटीआर (पी) 1.55 किमी (3) एसएसई/पी-वे/यूएमबी और सीडीजी के खंड में एडीईएन/यूएमबी और सीडीजी के अधीन टीएफआर 70.462 किमी और (4) टीटीआर (टीएसआर)-29 सेट (1:12 – 6 सेट और 1:8.5-23 सेट) के साथ-टीटीआर (टीएसआर)-111 सेट (1:12-60 सेट और 1:8.5 – 51 सेट)।	₹3,19,16,882/-	₹3,09,600/-	08 महीने	06.06.2025

नोटः 1) ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी संबंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। **2)** अग्रिम राशि ऑनलाइन पेमेंट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेंट के द्वारा की स्वीकार्य होंगे। **3)** निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लॉग ऑन करें। **4)** ठेकेदार को ई-निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट द्वारा लॉग ऑन करना होगा। **5.** जी.एस.टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।

खुली निविदा संख्या 07-अम्बाला/2025-26 दिनांकः 13.05.2025 **1426/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मैथिली ने 12वीं में 91.2 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल एवं परिवार का बढ़ाया मान

फाजिल्का, 15 मई (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) होली हार्ट डे बोर्डिंग स्कूल की छात्रा मैथिली ने सीबीएसई की 12वीं कक्षा के परिणामों में आर्ट्स स्ट्रीम से 91.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता, बल्कि होली हार्ट डे बोर्डिंग स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया है। मैथिली, जिला प्रेस क्लब रजि. के जिलाध्यक्ष व एडवोकेट संदीप चलाना की सुपुत्री हैं। परिणाम आने के बाद स्कूल प्रांगण में प्रिंसिपल रितू भूसरी और वाइस प्रिंसिपल शिल्पा भूसरी ने मिठाई खिलाकर मैथिली को बधाई दी और उनके अभिभावकों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं। प्रिंसिपल रितु भूसरी ने बताया कि मैथिली एक प्रतिभाशाली, अनुशासित और मेहनती छात्रा हैं, जिन्होंने हर गतिविधि में अपनी उपस्थिति से स्कूल को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि मैथिली न सिर्फ पढ़ाई में अव्वल रही हैं, बल्कि सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रही हैं। उनके अनुकरणीय व्यवहार और समर्पण ने अन्य विद्यार्थियों के लिए भी एक मिसाल कायम की है। गौरतलब है कि मैथिली स्वर्गीय डॉ. राजकुमार चलाना की पौत्री हैं, जो समाजसेवा के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहे थें। उनके बेटे संदीप चलाना और प्रदीप चलाना भी उनके पदचिह्नों पर चलते हुए समाजसेवा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। हाल ही में संदीप चलाना वकालत की पढ़ाई पूरी कर एडवोकेट बने व उनको जिला प्रेस क्लब का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अब मैथिली ने शिक्षा के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने दादा-दादी, माता-पिता और शिक्षकों का नाम गर्व से ऊंचा कर दिया है।

बहन के ससुराल परिवार ने व्यक्ति पर चलाई गोलियां, 4 के खिलाफ मामला दर्ज

फिरोजपुर 15 मई (निस) थाना आरफके के अंतगर्त पड़ते गांव बगेवला में बीते दिन कुछ लोगों ने एक व्यक्ति पर गोलियां चलाई और विवाद के दौरान पीड़ित को गोली लगने से वह जख्मी हो गया। उक्त मामलें में थाना आरफके की पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मारपीट करने और असलाह एक्ट की विभिन्न धाराओं तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना आरफके के पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में शिकायतकर्ता जुगराज सिंह पुत्र दविन्द्र सिंह वासी गांव कमाला मिड्डू ने बताया कि वह दो भाई बहन है और उसकी बहन प्रभजोत कौर का विवाह जगजीत सिंह पुत्र दलविन्द्र सिंह वासी गांव बगेवाला के साथ हुआ है, जोकि उसके बहन को मारपीट करके परेशान करता है। जुगराज सिंह ने बताया कि 14 मई 2025 को वह और उसका चाचा बलविन्द्र सिंह पुत्र जगतार सिंह गांव के नजदीक बगु वाला में कबड्डी टूर्नामैंट देखने गया था तो करीब 6.45 पर जगजीत सिंह पुत्र दलविन्द्र सिंह रिवाल्वर, अकाशदीप सिंह पुत्र गुरमीत सिंह, मंगल सिंह पुत्र साहिब सिंह वासी बगे वाला व एक अज्ञात व्यक्ति वहां हथियारों से लैस होकर आए और अकाशदीप सिंह ने ललकारा मारा और कहा कि इसको शिकायत करने का मजा चखा दो और जगजीत सिंह ने रिवाल्वर से फायर सिधा उस पर किए। इस दौरान गोली लगने से पीड़ित जख्मी हो गया और वह जमीन पर गिर गया। जिसके बाद उसके चाचा बलविन्द्र सिंह ने शोर मचाया तो उक्त सभी लोग हथियारों सहित अपने मोटरसाईकिलों पर सवार होकर फरार हो गए। जुगराज सिंह ने बताया कि उके पिता दविन्द्र सिंह ने मौके पर आकर उसे अस्पताल में दाखिल करवाया है, जहां पर उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित ने बताया कि जगजीत सिंह वगैरा उसकी बहन प्रभजोत कौर को परेशान करता था और उसने उसकी शिकायत की थी, जिसको लेकर उक्त लोगों ने उक्त घटना को अंजाम दिया है।

युद्ध नशे के विरुद्धः राज्य भर के बस अड्डों पर तलाशी अभियान चलाया

चंडीगढ़, 15 मई (निस)राज्य से नशों के खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर शुरू की गई मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को 75वें दिन भी जारी रखते हुए पंजाब पुलिस द्वारा आज राज्य भर के बस अड्डों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया। यह ऑपरेशन डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर सभी 28 पुलिस जिलों में चलाया गया। इस राज्य स्तरीय ऑपरेशन की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने कहा कि सभी सीपीज़/एसएसपीज़ को इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) रैंक के अधिकारियों की निगरानी में भारी पुलिस बल तैनात करने के लिए कहा गया था।उन्होंने बताया कि राज्य भर के सभी बस अड्डों पर चलाए गए इस ऑपरेशन के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई।इसके अलावा, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम को जारी रखते हुए आज 486 स्थानों पर छापेमारी की है, जिसके चलते राज्य भर में 83 एफआईआर दर्ज की गईं और 124 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ, 75 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 11,208 हो गई है।स्पेशल डीजीपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 4.02 किलोग्राम हेरोइन, 2.5 किलोग्राम अफीम और 27090 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।उन्होंने बताया कि 87 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1200 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में छापेमारी की और दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान 481 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की।

नशों के विरुद्ध मुहिम के हिस्से के रूप में, गुरदासपुर में गांव डीड़ा सांसीया में जल संसाधन विभाग की जमीन पर गैर-कानूनी तौर पर बनाए गए दो नशा तस्करों बलजिंदर और लखविंदर के घरों पर बुलडोजर चलाया गया।

अकेले रह रहे बुजुर्गों के लिए पंजाब सरकार की स्पैशल केयर हेल्थ योजना

चंडीगढ़ 15 मई (निस) राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने शहर की हैल्थ डिस्पेंसरी के दौरे के दौरान पाया कि कई बुजुर्ग अकेले इलाज के लिए आते हैं। अब हैल्थ विभाग शहर में रह रहे अकेले बुजुर्गों के लिए स्पैशल केयर को लेकर खास योजना बनाने जा रहा है। हैल्थ डायरेक्टर डॉ सुमन सिंह की मानें तो राज्यपाल के सुझाव को लेकर काम कर रहे हैं। अकेले रह रहे बुजुर्गों का नंबर देखना होगा। उनके लिए ऐसी सुविधाएं शुरू करने की जरूरत है, ताकि रात और एमरजेंसी में उन तक मदद पहुंचाई जा सके। वरिष्ठ लोगों और चलने फिरने में असमर्थ (बैड रिडन) मरीजों के लिए समर्पित एंबुलेंस सेवा शुरू की जाएगी। विभाग की मानें तो इस फैसले से खास कर उन लोगों को मदद मिलेगी, जो अकेले रहते हैं और देर रात या एमरजेंसी में अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते हैं। उन्हें इस योजना के बाद इलाज के लिए किसी पर निर्भर नहीं होगा।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में हुई थी बात -फरवरी में रोगी कल्याण समिति (आर.के.एस.) की बैठक में मुद्दा उठाया गया था कि अस्पताल में बहुत लोग खासकर ऐसे बुजुर्ग आते हैं, जिनके साथ अटेंडेंट नहीं होता। बैठक में फैसला लिया था कि ऐसे मरीजों के लिए अस्पताल में 6 केयरटेकर / अटेंडेंट रखे जाएंगे। यह केयरटेकर व्हीलचेयर पर मदद करेंगे, दवा दिलवाएंगे और टैस्ट भी करवाएंगे। रजिस्ट्रेशन काऊंटरों के लिए डाटा एंट्री ऑपरेटर (डी.ई.ओ.) नियुक्त करने और जी.एम.एस.एच. में पायलट आधार पर सभी एमरजेंसी मरीजों को 24 घंटे मुफ्त उपचार के प्रस्ताव पर भी बैठक में चर्चा की गई। बुजुर्गों का डाटा तैयार किया जाएगा -हैल्थ विभाग शहर में अकेले रह रहे बुजुर्गों और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों का डेटा तैयार करेगा। इसके बाद ही योजना को आगे बढ़ाया जाएगा। सुनिश्चित किया जाएगा कि बुजुर्ग को आपात स्थिति में किसी पर निर्भर न रहना पड़े।

रंगला पंजाब की दिशा में पंजाब सरकार का एक और बड़ा फैसला

मोहाली 15 मई (निस) 'रंगीला पंजाब' बनाने की दिशा में एक और बड़ा फैसला लेते हुए पंजाब सरकार ने 'रंगला पंजाब सोसायटी' के गठन की घोषणा की है। राज्य सरकार जल्द ही इस ऐतिहासिक सोसायटी का शुभारंभ करेगी, जो जनता की भागीदारी से विकसित होगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब हर पंजाबी पंजाब के विकास में अपनी भूमिका निभाएगा। देश-विदेश के एन.आर.आई. और उद्योगपति इस सोसायटी को दान दे सकेंगे। इसमें आने वाले प्रत्येक पैसे का उपयोग पारदर्शी तरीके से किया जाएगा। इससे मिलने वाला पैसा सीधे तौर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पानी, स्टार्टअप और अनुसंधान में निवेश किया जाएगा। इसके साथ ही आपदा या संकट के समय इस कोष से जनता की मदद भी की जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक गवर्निंग बोर्ड का गठन किया जाएगा। मंत्रियों के साथ-साथ मुख्य सचिव भी इसके सदस्य बनाए जाएंगे। इस सोसायटी को मिलने वाले हर दान और परियोजना का सार्वजनिक रूप से ऑडिट किया जाएगा, ताकि हेरफेर की कोई गुंजाइश न रहे। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि यह कोई रंगला पंजाब फंड नहीं है, बल्कि जनता की भागीदारी से शुरू होने वाला आंदोलन है।

नाके पर पकड़े गए 2 युवक, देते थे इन वारदातों को अंजाम

बरनाला 15 मई (निस) बरनाला पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान लूटपाट करने के वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों से 3 फोन बरामद किए गए, जिनमें द्वक्क्द्वश्ठ्ठद्व भी शामिल है। यह दोनों मोटरसाइकिल चलाते समय लोगों से फोन छीनते थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए एस.एच.ओ. शेरविंदर सिंह औलख ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर परगट सिंह पुत्र सुखपाल सिंह और अर्शदीप सिंह पुत्र शमशेर सिंह निवासी बाबा जीवन सिंह हंडिआया मोटरसाइकिल पर चोरी और लूट की वारदातों को अंजाम देते हैं। उन्होंने बताया कि हंडिआया चौकी के सब-इंस्पेक्टर बूटा सिंह की टीम ने तुरंत धनौला लिंक रोड पर कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी कर इन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से एक आईफोन और दो ड्क्कद्ब1श फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी परगट सिंह के खिलाफ सदर पुलिस स्टेशन बरनाला में पहले से ही दो मामले लंबित हैं। उन्होंने बताया कि उसे एक दिन का पुलिस रिमांड दिया गया है और इस दौरान उससे और जानकारी ली गई है।

तीसरे पक्ष का दखल नहीं होगा ...

पृष्ठ एक का शेष ...किया। लेकिन मैंने पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में मदद की, जो काफी तनावपूर्ण होती जा रही थी। ट्रंप ने मंगलवार को सऊदी अरब की यात्रा के दौरान दावा किया था कि उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच सफलतापूर्वक ऐतिहासिक संघर्ष विराम कराया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने गत शनिवार को दो बार यह दावा किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम उन्होंने करवाया। इसके बाद सोमवार को तीसरी बार उन्होंने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु संघर्ष को रोकने में उनकी सरकार ने मध्यस्थता की और लाखों लोगों की जान बचाई। बता दें कि ट्रंप इस समय पश्चिम एशिया के चार दिवसीय दौरे पर हैं।

भारत ने खारिज कर दिया था बयान

भारत ने स्पष्ट तौर पर कह दिया था कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने फोन कर भारत से सीजफायर की गुजारिश की थी। इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं है। अमेरिकी सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने फिर से दावा किया कि उन्होंने देशों से ट्रेड के बारे में बात की।

दिल्ली में बारिश के आसार ...के इलाकों में इस सप्ताह अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 'स्काईमेट वेदर' की रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती गर्मी गरज वाले बादलों के बनने के लिए एक अच्छा आधार तैयार कर रही है। इसके चलते दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक गरज-चमक और धूल भरी आंधी आने की संभावना बनी हुई है। 16 और 17 मई 2025 को यह गतिविधि थोड़ी तेज हो सकती है। प्री-मानसून बारिश का सिलसिला अगले सप्ताह तक भी जारी रहने का अनुमान है। 19 से 22 मई के बीच बारिश, गरज-चमक, धूल भरी आंधी और तेज हवाएं चलने की ज्यादा संभावना है।

बेंगलुरु में प्री-मानसून की बारिश-बेंगलुरु में प्री-मानसून बारिश का दौर जारी है। शहर में मंगलवार को 35 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो पिछले एक महीने में अब तक की सबसे ज़्यादा थी। मई की शुरुआत में शहर में हल्की बारिश देखने को मिली थी। अब तक इस महीने कुल 76.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि पूरे महीने का औसत सामान्य 107.4 मिमी है। मई, जून और जुलाई में औसतन लगभग समान वर्षा होती है, लेकिन अगस्त से बारिश की मात्रा बढ़ने लगती है।

तीन आतंकवादी ढेर ..

पृष्ठ एक का शेष ...हुई वीडियो कॉल में सरेंडर की गुहार-आमिर वानी का यह वीडियो कॉल उस समय का है जब वह आतंकियों के छिपे होने वाले घर से बाहर निकलने के बजाय अपने परिवार से बात कर रहा था। वीडियो में उसकी मां उसे बार-बार बेटा सरेंडर कर दो कहती नजर आ रही हैं। मां की आवाज में साफ तौर पर डर, प्यार और चिंता झलक रही है, पर आमिर मां की बात नहीं मान रहा था। उसने अपनी मां से कहा फौज को आगे आने दो, फिर देखता हूं। वीडियो में आमिर के हाथ मेंऋ-47 राइफल साफ नजर आ रही है।

शशि थरुर के तेवर ...

महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि थरूर की टिप्पणी पार्टी की राय नहीं होती है। थरूर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर अपनी पार्टी से अलग रुख रख रहे हैं। कांग्रेस इस मामले पर केंद्र सरकार और पीएम मोदी से निरंतर सवाल पूछ रही है।

उन्होंने यह भी कहा है कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच गलत तुलना की और उनके द्वारा एक पीड़ित और एक अपराधी को समान बताया जाना चौंकाने वाली बात है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में बड़ा हादसा, हंसते-खेलते परिवार में छाया मातम, युवक की मौत

हलवारा 15 मई (निस) बुडेल बिजली घर के पास सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 27 वर्षीय युवक जसविन्द्र सिंह पुत्र बलवीर सिंह निवासी दीप नगर, मंडी मुल्लांपुर की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब जसविंदर सिंह अपनी बुआ के गांव घुमान से मुल्लांपुर लौट रहा था। रात के अंधेरे के कारण उसकी मोटरसाइकिल अचानक सड़क के किनारे एक पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भयानक था कि जसविंदर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के मामा अमर सिंह और नानी शिंदर कौर ने बताया कि जसविंदर परिवार का इकलौता कमाने वाला बेटा था। वह मिस्त्री का काम करता था। उसके पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी और अब वह अपनी मां और तीन बहनों का एकमात्र सहारा था। परिवार के सदस्यों ने यह भी बताया कि ये हादसा किसी अन्य वाहन से टक्कर के कारण नहीं हुई, बल्कि मोटरसाइकिल के नियंत्रण खो देने और पेड़ से टकरा जाने के कारण हुई। इसीलिए परिवार कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कर रहा है। अचानक हुई इस घटना से गांव में शोक की लहर है। युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

जालंधर, अमृतसर, लुधियाना, फिरोजपुर के लोगों को मिलेगी खास सुविधा

अमृतसर 15 मई (निस) भारत-पाकिस्तान सीमा पर हालिया तनाव के चलते फिरोजपुर मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों-जैसे फिरोजपुर, जालंधर सिटी, लुधियाना, जालंधर कैंट और अमृतसर-पर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। मंडल द्वारा यात्रियों के लिए खानपान और टिकटिंग जैसी सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सीमा पर तनाव के कारण बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों और यात्रियों की आवाजाही बढ़ गई थी। इस स्थिति में फ़िरोज़पुर मंडल ने लगातार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाया जा सके। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक परमदीप सिंह सैनी स्वयं 24 घंटे सभी स्टेशनों की निगरानी कर रहे हैं और अतिरिक्त यूटीएस व पीआरएस काउंटर भी खुलवाए गए हैं ताकि टिकटिंग में कोई असुविधा न हो।

बी.पी.ओ., कॉल सेंटर के बारे में पूरी जानकारी दें

15 मई (निस) शहर में चल रहे बी.पी.ओ., कॉल सेंटर, कॉर्पोरेट हाउस और निजी कंपनियों में दिन और रात के समय कर्मचारियों को छोड़ने के लिए रखे गए चालकों का वेरिफिकेशन जरूरी है। 24 घंटे काम करने वाले संस्थानों को सिक्योरिटी गार्डों और पिक एंड ड्रॉप के लिए हायर की गई गाड़ियों के चालकों की पूरी जानकारी अपने पास रखना अनिवार्य है।

पूरी वेरिफिकेशन के बाद ही दें कमरा = डी.सी.

समाज विरोधी तत्वों के होटलों, रेस्टोरेंटों, सरायों या गेस्ट हाउसों में छिपे होने की संभावना है, जो लोगों की सुरक्षा और शांति के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। इसलिए इन सभी जगहों पर किसी को भी किराए पर जगह देने से पहले प्रशासन द्वारा पहले से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना जरूरी है। इन सभी संस्थानों के लिए किसी भी तरह के आतंकी हमले को रोकने और शांति बनाए रखने हेतु इन निर्देशों का पालन अनिवार्य है। सभी जगहों पर ठहरने वाले लोगों से पूरी पहचान का सबूत लेने के बाद ही उन्हें किराए पर जगह दी जाए।

फगवाड़ा की मशहूर निजी यूनिः में छात्र की बेरहमी से हत्या, फैली सनसनी

फगवाड़ा 15 मई (निस) फगवाड़ा-जालंधर राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर एक पर स्थित निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे सूडान के एक छात्र की उसी यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों द्वारा आपसी विवाद के चलते बेरहमी से हत्या कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने हत्या में शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कपूरथला के एस.एस.पी. गौरव तुरा ने इसकी पुष्टि की और बताया कि आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब 4 बजे ग्रीन वैली इलाके के नजदीक गांव महेड़ू के पास उस समय हुई, जब सूडान के रहने वाले छात्र और दो छात्राएं नमाज अदा करके अपने पी.जी. लौट रहे थे। इसी दौरान यूनिवर्सिटी के ही कुछ छात्रों के साथ उनकी किसी बात को लेकर बहस हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने उन छात्राओं को परेशान करना शुरू कर दिया और उनके मोबाइल नंबर मांगने लगे। थाना सतनामपुरा में दर्ज एफआईआर के अनुसार, इस मामले में घायल हुए अहमद मुहम्मद नूर अहमद हुसैन ने बताया कि जब उसके दोस्त मुहम्मद वधा बाला यूनुस अहमद ने उन लड़कों को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जालंधर कैंट के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मोहम्मद वधा को मृत घोषित कर दिया। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में शामिल 6 आरोपियों अब्दुल अहद निवासी कर्नाटक, कुंवर अमर प्रताप सिंह, आदित्य गर्ग, मुहम्मद शोएब, सुशांत उर्फ शैगी, और यशवर्धन राजपूत (निवासी उत्तर प्रदेश और बिहार)— को हिमाचल प्रदेश के मंडी इलाके से गिरफ्तार किया है।

पंजाब के शराब कारोबारियों पर बढ़ेगी सख्ती, महज 10-20 रुपए में...

गुरदासपुर 15 मई (निस) पंजाब के अमृतसर जिले के मजीठा में जहरीली शराब पीने से 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इस घटना से जिला पुलिस गुरदासपुर को भी समय रहते सबक लेने की ज़रूरत है और जिले में चल रहे अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। सीमावर्ती इलाकों और आसपास के गांवों में अवैध शराब का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। हालांकि पुलिस समय-समय पर तस्करों के खिलाफ छापेमारी करती है, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में यह कारोबार धड़ल्ले से जारी है। घटिया शराब लोगों की जान की दुश्मन बनती जा रही है।

गुरदासपुर जिले के वो गांव जो अवैध शराब के लिए बदनाम हैं गुरदासपुर जिले के कई गांवों में अवैध शराब खुलेआम बिक रही है। जौड़ा छत्तरां, मोचपुर, मनकौर सिंह, बहरामपुर, बरियार, अवांखा, पनियाड़, ढीढ़ा सांसिया, भैनी मियां खां, बहरामपुर आदि प्रमुख रूप से बदनाम गांव हैं, जहां बिना किसी डर के शराब बनाई और बेची जा रही है। दर्जनों मामले दर्ज होने के बावजूद यह कारोबार रुकने का नाम नहीं ले रहा।

पंजाब में जहरीली शराब से मौत का चौथा बड़ा मामला

यह पंजाब में जहरीली शराब से मौत का चौथा बड़ा मामला है। इससे पहले तरनतारन जिले में 100 से अधिक, संगरूर में 21 और अमृतसर के तरसिक्का थाने के मूसल गांव में 11 लोगों की मौत हो चुकी है। गुरदासपुर के मोचपुर गांव में भी कई लोगों की मौत हो चुकी है। अब मजीठा में 17 से अधिक मौतें इस गंभीर समस्या की भयावहता को उजागर कर रही हैं।

पंजाब में 17 तारीख को लेकर जारी हुई नई चेतावनी! तीन दिन पड़ेगी भीषण गर्मी

बठिंडा 15 मई (निस) पंजाब के मौसम को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, कुछ दिनों की राहत के बाद राज्य में फिर गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए है।

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में तापमान 2 से 4 डिग्री तक बढ़ने के आसार है, क्योंकि 3 दिन तक राज्य में बारिश की भी कोई संभावना नहीं है।

सुबह और शाम भी होगा गर्मी से हाल-बेहाल

पिछले 24 घंटों में राज्य के औसत अधिकतम तापमान में 1.6एष्ट की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, यह तापमान सामान्य के करीब ही है। राज्य में सबसे अधिक तापमान बठिंडा में रिकॉर्ड किया गया, जहां पारा 41.7एष्ट तक पहुंच गया है। विभाग ने अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान के साथ-साथ न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी की संभावना जताई है, जिसका मतलब है कि दोपहर के अलावा सुबह और शाम के समय भी लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ेगा। 17 मई से फिर बारिश के आसार-मौसम विभाग के अनुसार, एक नए पश्चिमी विक्षोभ का असर पंजाब के मौसम पर भी देखने को मिलेगा। इसके चलते 17 मई से एक बार फिर राज्य के कई इलाकों में बारिश होगी। विभाग ने 17, 18 और 19 मई को बारिश की भविष्यवाणी की है। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 17 मई को फाजिल्का, मुक्तसर, बठिंडा, मानसा, बरनाला, संगरूर, रूपनगर, एस.बी.एस. नगर, होशियारपुर, गुरदासपुर और पठानकोट में बारिश की संभावना है।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब, सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड, पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

CHARDIKLA TIME TV
24X7 INFOTAINMENT CHANNEL
SCAN TO DOWNLOAD OUR APP
SCAN TO WATCH LIVE
Available FREE! at following Platforms
TATA PLAY CH. NO.1945
Free Dish CH. NO. 340
VIDEOCON d2h CH. NO. 779
airtel digital TV CH. NO. 557
dish tv CH. NO. 1152
in digital CH. NO. 581
Jio TV
Available Worldwide on
sling
dish CH. NO. 748-008
amazon fire TV
YouTube
TikTok
Roku TV
eBaba
STB
TANGO TV
FREE TV
MOBI
EKOM FLIX
Also available on Social Media @
/Chardikla Time TV
/Chardikla Time TV Live
www.timetv.news
/CK Time TV North America
ceo@cktimetv.com
www.cktimetv.com